पटना ●मंगलवार, 03 सितम्बर 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:234 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नही"

जन जागरुकता के साथ जिले में 30... 3 www. bordernewsmirror.com कश्मीर में शुरू अल्फा की...8

## पूर्व मंत्री बबली भाजपा में शामिल, कांग्रेस ने टिकट नहीं दी

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** हरियाणा के पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली ने भाजपा जॉइन कर ली है। दिल्ली में प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बिप्लब देब ने उन्हें शामिल कराया। उनके साथ जेल अधीक्षक पद से इस्तीफा देने वाले सुनील सांगवान और जजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष संजय कबलाना भी भाजपा में शामिल हो गए। बबली ने रविवार रात को

जेजेपी से इस्तीफा दे दिया। पहले उनके कांग्रेस में जाने की चर्चा थी, लेकिन कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा था कि देवेंद्र बबली ने उनसे मुलाकात की थी, लेकिन उन्हें टिकट के लिए मना कर दिया गया है। बबली लगातार कहते रहे हैं कि मई महीने में हुए लोकसभा चुनाव में उन्होंने सिरसा से जीती कांग्रेस की कुमारी सैलजा की मदद की थी। वहीं सरपंच एसोसिएशन ने भी बबली को कांग्रेस में शामिल करने पर विरोध की चेतावनी दी थी।जॉइनिंग के बाद देवेंद्र बबली ने कहा, मैं अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली समझता हूं कि मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करने का मौका मिलेगा।

## सेबी चीफ पर 3 जगह से लाभ लेने का आरोप

कांग्रेस बोली-

- बोर्ड में रहते हुए आईसीआईसीआई से 16.80 करोड़ सैलरी ली

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की चीफ माधवी पुरी बुच कांग्रेस के निशाने पर हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर माधवी पर सेबी से जुड़े होने के दौरान आईसीआईसीआई बैंक समेत 3 जगहों से सैलरी लेने का आरोप लगाया। खेड़ा ने कहा- माधबी पुरी बुच 5 अप्रैल, 2017 से 4 अक्टूबर, 2021 तक सेबी में पूर्णकालिक सदस्य थीं। फिर 2 मार्च, 2022 को माधबी पुरी बुच सेबी की चेयरपर्सन बनीं। सेबी की चेयरपर्सन को नियुक्त करने वाली कैबिनेट में पीएम मोदी और अमित शाह शामिल हैं।

- सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के पीए बिभव को जमानत दी, कहा-

## 100 दिन से कस्टडी में हैं, चार्जशीट दाखिल है

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को जमानत दे दी है। बिभव राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर हमले के आरोप में जेल में थे। जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा कि कुमार 100 दिन से हिरासत में हैं और मामले में चार्जशीट

पहले ही दायर की जा चुकी है। इसलिए उन्हें जमानत देने में कोई हर्ज नहीं है। साथ ही कोर्ट ने यह निर्देश भी दिया कि बिभव को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पर्सनल असिस्टेंट के पद पर बहाल नहीं किया जाएगा और मुख्यमंत्री आवास पर कोई आधिकारिक काम भी नहीं सौंपा जाएगा। बिभव कुमार पर 13 मई को सीएम आवास पर पीएम सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट का आरोप है। उन्हें 18 मई को गिरफ्तार किया गया था।

# आईसी 814 सीरीज में आतंकियों के हिंदू नामों पर विवाद

## इब्राहिम, शाहिद और शाकिर कैसे बन गए भोला, शंकर और बर्गर?

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स कंटेंट हेड को तलब किया; कंटेंट पर जवाब मांगा

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** ओटीटी सीरीज आईसी 814 को लेकर जारी विवाद के बीच नेटफ्लिक्स की कंटेंट हेड मोनिका शेरगिल को सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने तलब किया है। मंत्रालय ने ओटीटी सीरीज के विवादास्पद पहलुओं पर नेटफ्लिक्स से स्पष्टीकरण मांगा है। नेटफ्लिक्स 2 सितंबर को मंत्रालय के सामने अपना पक्ष रखेगा। आईसी 814 29 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है जो कि कंधार विमान हाईजैक पर बेस्ड है।

इस विमान को हाईजैक करने वाले आंतकियों के नाम इब्राहिम अख्तर, शाहिद अख्तर, सन्नी अहमद, जहूर मिस्त्री और शाकिर थे लेकिन वेबसीरीज में उनके नाम बदल दिए गए हैं। इनमें आतंकियों के हिंदू नाम भोला और शंकर रखे गए हैं जिससे विवाद हो गया है। वेबसीरीज रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे बॉयकॉट करने की मांग उठ रही है।

### सीरीज की कहानी क्या है?

इस सीरीज की कहानी 24 दिसंबर 1999 की सत्य घटना पर आधारित है।जब पांच आतंकियों ने इंडियन एयरलाइंस के विमान आईसी 814 को काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरते वक्त हाईजैक कर लिया था।जिसमें 176 यात्री सफर कर रहे थे।

### भाजपा ने जताई थी आपत्ति

सीरीज रिलीज होने के बाद पिछले दिनों भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इसके कंटेंट पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीरीज के डायरेक्टर अनुभव सिन्हा को आड़े हाथों लिया था।उन्होंने कहा था कि अनुभव ने गलत काम को छिपाने के लिए वामपंथियों के एजेंडे का सहारा लिया।आईसी-814 के हाईजैकर्स खूंखार आतंकी थे। उन्होंने अपनी मुस्लिम पहचान छिपाने के लिए काल्पनिक नाम अपनाए थे।

## नितेश कुमार ने बैडमिंटन में जीता स्वर्ण

- भारत को दिलाया नौवां पदक, बेथेल को हराया

**पेरिस (एजेंसी)।** पेरिस पैरालिंपिक में भारत ने दूसरा गोल्ड मेडल जीत लिया है। बैडमिंटन मेंस सिंगल्स की एसएल3 कैटेगरी में नितेश कुमार ने फाइनल जीता। उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन के डैनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराया। उनसे पहले डिस्कस थ्रो में योगेश कथुनिया ने सिल्वर मेडल जीता था। पैरालिंपिक में भारत अब तक 2 गोल्ड, 3 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज जीत चुका है।

आरएसएस ने कहा-

## बांग्लादेश से बात करे भारत सरकार

- 'हिंदुओं-अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बेहद संवेदनशील मुद्दा'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के साथ हुए अत्याचार को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने चिंता जताई है। केरल में हुए आरएसएस के तीन दिवसीय समन्वय सम्मेलन के दौरान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार को बांग्लादेश सरकार से बात करनी चाहिए। यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है।

जातिगत जनगणना को लेकर सुनील आंबेकर ने कहा कि हमारे देश और समाज में जाति और जातिगत संबंध संवेदनशील मुद्दा है। यह राष्ट्र की अखंडता और एकता के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए इसे गंभीरता से निपटाया जाना चाहिए और इस पर चुनाव और राजनीति नहीं होनी चाहिए। पिछड़े हुए और विशेष ध्यान देने की जरूरत वाले समुदाय और जाति के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू करने की जरूरत होती है तो सरकार को संख्या की आवश्यकता होती है। सरकार जातिगत जनगणना से आंकड़े ले सकती है।

आंबेकर ने कहा कि पहले भी सरकार ने ऐसा किया है। इसमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन संख्याओं का उपयोग केवल जातियों और समुदायों के कल्याण के लिए ही किया जाना चाहिए।

जाति जनगणना पर आ गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला

# कहा- यह नीतिगत मामला; अब गेंद केंद्र सरकार के पाले में

### उच्चतम न्यायालय ने कहा- हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जातिगत गणना मामले में हस्तक्षेप करने से सुप्रीम कोर्ट ने इंकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला सरकार के दायरे में आता है और नीतिगत मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना कराने की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से मना कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी।

पी. प्रसाद नायडू ने वरिष्ठ अधिवक्ता रविशंकर जंडियाला और अधिवक्ता श्रवण कुमार करनम के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में याचिका दाखिल कर जाति जनगणना कराने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की थी। सोमवार को न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने सुनवाई की।

### कोर्ट ने कहा- इस बारे में क्या किया जा सकता?

अदालत ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ताओं से कहा, इस बारे में क्या किया जा सकता है? यह मुद्दा शासन के दायरे में आता है। यह नीतिगत मामला है। अधिवक्ता रविशंकर जंडियाला ने तर्क दिया कि कई देशों ने ऐसा किया है, लेकिन भारत ने अभी तक ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा, 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में कहा गया है कि यह जनगणना समय-समय पर की जानी चाहिए।

**हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते-** सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि वह याचिका खारिज कर रही है, क्योंकि अदालत इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत के मूड को भांपते हुए वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे पीठ ने स्वीकार कर लिया। नायडू ने अपनी याचिका में कहा था कि केंद्र और उसकी एजेंसियां 2021 की जनगणना को बार बार स्थगित कर रही हैं।

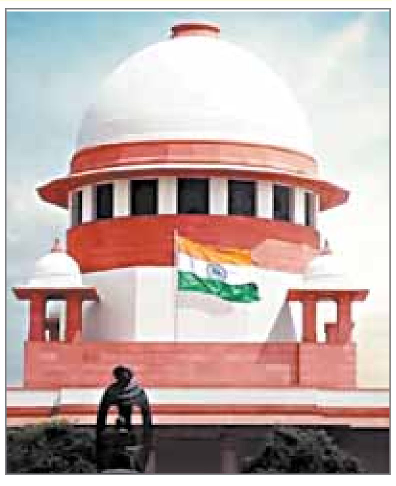

### याचिका में बताया क्यों जरूरी है जाति जनगणना

याचिका में कहा गाय कि सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना वंचित समूहों की पहचान करने, समान संसाधन वितरण सुनिश्चित करने और लक्षित नीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी करने में मदद करेगी। 1931 का अंतिम जाति-वार डेटा पुराना हो चुका है।

- बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट गाइडलाइन जारी करेगा, कहा-

## सिर्फ आरोपी होने पर किसी का घर नहीं गिरा सकते, दोषी हो तब भी नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को देशभर में आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सिर्फ आरोपी है तो प्रॉपर्टी गिराने की कार्रवाई कैसे की जा सकती है? जस्टिस विश्वनाथन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने कहा, 'अगर कोई दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है।'

सुप्रीम कोर्ट जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसमें आरोप लगाया गया है कि भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। अब इस केस की सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

**बुलडोजर एक्शन पर कोर्ट के कमेंट** - हम यहां अवैध अतिक्रमण के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। इस मामले से जुड़ी पार्टियां सुझाव दें। हम पूरे देश के लिए गाइडलाइन जारी कर सकते हैं। किसी का बेटा आरोपी हो सकता है, लेकिन इस आधार पर पिता का घर गिरा देना! यह कार्रवाई का सही तरीका नहीं है। केंद्र ने कहा किसी भी आरोपी की प्रॉपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई क्योंकि उसने अपराध किया।

भाजपा के सदस्यता अभियान में पीएम मोदी ने सुनाया पुराना किस्सा

# 'एक पैर रेल में होता है और दूसरा जेल में'

- पीएम मोदी ने की भाजपा के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान की शुरूआत। ● कहा - लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करने वाली भाजपा एकमात्र पार्टी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार (2 सितंबर) को 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' लॉन्च किया। इस मौके पर सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी की सदस्यता ली। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के बड़े नेताओं ने फिर से पार्टी की सदस्यता ली।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भाजपा का सदस्यता अभियान का एक और दौर शुरू हो रहा है। भारतीय जनसंघ से अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने की कोशिश की है। हम वो लोग हैं जिन्होंने दीवारों पर कमल भी बड़ी श्रद्धा से पेंट किया। हमें विश्वास था दीवारों पर पेंट किया हुआ कमल कभी न कभी दिलों पर भी पेंट हो जाएगा। पीएम ने आगे कहा कि भाजपा और इससे पहले जनसंघ के कार्यकर्ताओं को लेकर कहा जाता था कि इनका एक पैर रेल में रहता है और दूसरा जेल में। रेल में क्योंकि कार्यकर्ता लगातार भ्रमण किया करते थे।

- **शाह बोले- भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी-** गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही, साथ ही सभी राजनीतिक दलों में एक प्रकार से अनूठी पार्टी है।
- **नड्डा बोले- पीएम मोदी ने हमेशा संगठन को सबसे आगे रखा-** कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री देश का प्रधानसेवक होने के नाते, 140 करोड़ देशवासियों के नेतृत्व करने के नाते प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं।
- **रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले- हमारी पार्टी कथनी-करनी में फर्क नहीं करती-** राजनाथ सिंह ने कहा कि नेताओं की कथनी और करनी में फर्क होने की वजह से देश की राजनीति और नेताओं के ऊपर जनता का भरोसा कम हुआ है।

## मोदी कैबिनेट ने किसानों को दी 7 सौगात

कुल 20,817 करोड़ रुपये के निवेश के साथ, डिजिटल कृषि मिशन स्थापित करने की घोषणा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मोदी कैबिनेट ने सोमवार को किसानों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए 13,966 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली सात योजनाओं को मंजूरी दी। सरकार ने कहा कि किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से यह फैसले लिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बैठक में कृषि से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने और देश भर में खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए सात महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सरकार के इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि ये उपाय कृषि क्षेत्र को समर्थन देने, सतत विकास को बढ़ावा देने और सभी नागरिकों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

# देश में बारिश का तांडव

- वैष्णो देवी के रास्ते में लैंडस्लाइड, 2 महिलाओं की मौत, एक जख्मी ● आंध्र-तेलंगाना में बाढ़ से 19 की जान गई ● म.प्र. और गुजरात समेत 6 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश में बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश और गुजरात समेत 6 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के नए मार्ग पर लैंडस्लाइड होने से 3 तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से 2 महिलाओं की मौत हो गई।

एक लड़की का इलाज चल रहा है। अफसरों ने बताया कि दोपहर करीब 2.35 बजे पांची के पास भूस्खलन हुआ। मिट्टी गिरने से मार्ग के ऊपर बना टीन शेड गिर गया। इसकी चपेट में कई लोग आ गए। उधर,आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बाढ़ और बारिश के चलते 2 दिनों में आंध्र में 9 और तेलंगाना में 10 लोगों की मौत हुई है। दोनों राज्यों में 140 ट्रेनें कैंसिल हुई हैं। 54 से ज्यादा ट्रेनें डायवर्ट की गई हैं। एनडीआरएफ की 26 टीमें तैनात की गई हैं। उफनती नदियों के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है।

**पीएम ने आंध्र और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों से बात की-** प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से फोन पर बात कर राज्य के हालात की जानकारी ली। पीएम ने दोनों को केंद्र की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है।

**राजस्थान में बारिश ने 13 साल का रिकॉर्ड तोड़ा-** राजस्थान में मानसून ने अगस्त में नया रिकॉर्ड बना दिया है। अगस्त में 344एमए बरसात हुई, जो साल 2011 से 2023 तक सबसे ज्यादा है।

## संक्षिप्त समाचार

### अफीम के मामले में फरार तीन अभियुक्त गिरफ्तार

**गया, एजेंसी।** पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से अफीम तस्करी के मामले में फरार चल रहे तीन अभियुक्त को बांकेबाजार पुलिस ने रविवार को गुप्त सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तीनों बांकेबाजार थाने के बड़की देल्हो गांव के राजदेव भोक्ता, व्रत भोक्ता और कपिल सिंह भोक्ता शामिल है। इस संबंध में बांकेबाजार के थानाध्यक्ष विनय कुमार चौरसिया ने बताया कि अभियुक्त राजदेव भोक्ता, व्रत भोक्ता और कपिल सिंह भोक्ता को गिरफ्तार किया गया। तीनों से थाने में पूछताछ कर कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया गया है।

### सात लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, भेजा जेल

**गया, एजेंसी।** खिजरसराय थाना क्षेत्र के नौडीहा गांव में पुलिस ने छापेमारी कर सात लीटर देसी शराब के साथ शंकर चौधरी को गिरफ्तार किया। इस संबंध में खिजरसराय थाना अध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शंकर चौधरी अपने घर में देसी शराब की बिक्री कर रहा है। इसी सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। जिसमें सात लीटर देसी शराब के साथ शंकर चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

### नशा के खिलाफ विभिन्न जगहों पर चला विशेष अभियान

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** शहर में रविवार को नशा के खिलाफ विभन्नि जगहों पर पुलिस ने विशेष सर्च अभियान चलाया। इस दौरान कई युवकों को हिरासत में लिया गया। शहर के रामबाग, योगियामठ, सिकंदरपुर, सादपुरा, मझौलिया, ब्रह्मपुरा रेलवे क्वार्टर समेत अन्य जगहों पर पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान नशेड़ियों में हड़कंप मचा रहा। पुलिस को देखते ही नशेड़ी इधर-उधर भागने लगे। हिरासत में लिए गए युवकों से पुलिस देर शाम तक पूछताछ करती रही। नाम पते का सत्यापन करने के बाद उन्हें छोड़ा गया। बताया गया कि नगर थाने की पुलिस ने योगियामठ मे पहुंचकर उचक्कों को खदेड़ा। काजी मोहम्मदपुर पुलिस ने सादपुरा, मझौलिया, माड़ीपुर, मिठनपुरा पुलिस रामबाग, गोशाला रोड समेत कई मोहल्ले में नशेड़ियों को खदेड़ती रही। ब्रह्मपुरा पुलिस रेलवे क्वार्टर में नशेड़ियों के जमावड़े की सूचना पर अभियान चलाया।

### जमालाबाद में कायस्थ चौपाल का आयोजन

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस की ओर से जिलाध्यक्ष डॉ. रवि शंकर चैनपुरी की अध्यक्षता में जमालाबाद मुशहरी में रविवार को कायस्थ चौपाल लगा। डॉ.चैनपुरी ने कहा कि पंचायत स्तर पर कायस्थ चौपाल लगा चित्रांशों को जागरूक किया जा रहा है। बताया कि फरवरी 2025 में पटना में विराट कायस्थ समागम होगा। इसमें स्टॉल लगाकर उद्योग लगाने और कायस्थ क्लब मैट्रिमोनी की ओर से कायस्थ परिवार के युवक-युवती की शादी संबंधी जानकारी देते हुए परिवार परिचय कराया जाएगा। संचालन पंकज श्रीवास्तव व धन्यवाद ज्ञापन राजीव कुमार ने किया। चौपाल में भोला शंकर, बसंत कुमार, विभू रंजन, कामेश्वर प्रसाद वर्मा, रविन कुमार, त्रिभुवन प्रसाद वर्मा, मणि भूषण वर्मा, सुभाष रंजन वर्मा, कुमोद प्रसाद वर्मा थे।

### बुद्ध चेतना परिषद का वार्षिकोत्सव संपन्न

**छपरा, एजेंसी।** बुद्ध चेतना परिषद सारण के तत्वावधान में गुदरी स्थित मौर्य हॉस्टल में मैट्रिक परीक्षा-2024 में उत्कृष्ट अंक लाने वाले कुल 31 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया । साथ ही वर्ष 2023-24 में सरकार के विभिन्न पदों पर नियुक्त कुशवाहा समाज के कुल 26 व्यक्तियों को परिषद द्वारा विशिष्ट सम्मान के तहत मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया । विचार संगोष्ठी ÷सामाजिक उत्थान में नारी शिक्षा का महत्व÷ विषय पर डॉ चंद्रशेखर कुशवाहा, भैरव भक्त, रामेश्वर प्रसाद, ब्रजेश कुमार सिंह, अवध किशोर सिंह, राकेश कुमार सिंह, ओम प्रकाश प्रसाद, सुमन कुमार सिंह, चंद्रावती कुमारी, ज्योति रानी, डॉ. पुष्पा व मनोज कुमार ने प्रकाश डाला। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ उज्जवल कुमार वर्मा व विशिष्ट अतिथि डॉ शैलेन्द्र कुमार सिंह थे । कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष डॉ अशोक कुशवाहा , सचिव अवधेश कुमार सिंह व छात्रावास अधीक्षक इंद्रदेव सिंह उपस्थित थे। सभा की अध्यक्षता डॉ मनोज कुमार वर्मा संकल्प व मंच संचालन राजेंद्र प्रसाद सिंह ने किया ।

# लालू को टेंशन देंगे प्रशांत किशोर? महिला के बाद मुस्लिम पर दांव

## विस चुनाव में 40 टिकट का ऐलान

**पटना, एजेंसी।** जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की नजर अब लालू यादव की पार्टी राजद के पारंपरिक वोट बैंक मुस्लिम वोटों पर है। रविवार को घोषणा पीके ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी 2025 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम समाज से कम-से-कम 40 प्रत्याशी बनाएगी। कहा, संगठन में भी पूरी हिस्सेदारी दी जाएगी। संगठन का नेतृत्व करने वाले 25 लोगों में भी चार से पांच मुस्लिम समुदाय के लोग होंगे। यह भी कहा कि जदयू, राजद और कांग्रेस तीनों मुसलमानों का वोट लेती है पर आज बिहार में मात्र 19 मुस्लिम विधायक हैं। लगता है कि प्रशांत किशोर आरजेडी के वोट बैंक में सेंध लगाना चाहते हैं। अग वे मुसलमानों को रिझाने में कामयाब रहे तो लालू की पार्टी को बड़ा नुकसान होने वाला है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं को चालीस सीटों पर उतारने का ऐलान किया था।

पटना के बापू सभागर में रविवार को जन सुराज की ओर से 'राजनीति में मुसलमानों की भागीदारी' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को प्रशांत संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के राजनीतिक और सामाजिक हालात को देख कर यह कहा जा सकता है कि समय आ गया है फिर से गांधी, आंबेडकर, लोहिया और जेपी की विचारधारा को पुनर्जीवित करना होगा। उन्होंने कहा कि आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि मात्र 37 प्रतिशत वोटों से ही भाजपा तीन बार दिल्ली में सरकार बनाने में कामयाब हुई है। जबकि, देश में 80 प्रतिशत हिन्दू आबादी है। इसका मतलब हुआ कि 40 प्रतिशत हिन्दुओं ने भाजपा के खिलाफ वोट दिया है। प्रशांत किशोर ने लोगों से कहा कि मैं आपसे वोट नहीं मांग रहा हूं, केवल इतना कह रहा हूं कि अगली बार वोट अपने बच्चों के नाम पर दीजिए।

हालांकि पीके का कहना है कि उनकी लड़ाई एनडीए के दलों से है। राजद से उनकी कोई टक्कर नहीं है। यहां तक कह दिया कि राजद को कौन पूछता है। तेजस्वी यादव को चैलेंज देते हुए उन्होंने कहा कि धरना दें या जो करें इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। लोकसभा चुनाव के नतीजों से साफ हो गया है कि राजद कहीं नहीं है। तीस सालों से मुसलमानों के रहनुमा बने हुए हैं और उनकी हकमारी कर रहे हैं। हिम्मत है तो आबादी के अनुसार टिकट देकर दिखाएं।

प्रशांत किशोर ने ऐलान कर दिया है कि उनकी पार्टी राज्य के सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आगामी 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर पीके पार्टी का ऐलान करेंगे। उसके पहले पिछले साल 2 अक्टूबर को ही उन्होंने महात्मा गांधी की कर्म भूमि भितिहरवा से जन सुराज पदयात्रा की शुरुआत की थी। बिहार के अधिकांश जिलों में पदयात्रा कर चुके हैं।

### मां ने रुपए न दिए तो बेट ने की आत्महत्या, युवक को थी नशे की लत

**नालंदा, एजेंसी।** नालंदा जिले के हिलसा शहर में एक और युवक की संदिग्ध मौत हुई है। रविवार को पटेल नगर के एक मकान में 19 वर्षीय अरमान कुमार उर्फ सुधांशु का शव पंखे से लटका हुआ मिला। मृतक मोमिंदपुर गांव के निवासी संतोष कुमार का पुत्र था और अपनी मां के साथ हिलसा में रह रहा था। देर शाम परिजन शव को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। परिजन ने बताया कि अरमान नशे की लत का शिकार था और अक्सर पैसों की मांग करता था। घटना के दिन उसने अपनी मां से 4,000 रुपए मांगे थे, ताकि वह अपना मोबाइल फोन छुड़ा ले। जिसे उसने पहले ही किसी मित्र के पास गिरवी रखा था। मां ने पैसे नहीं दिए, अरमान कमरे में गया और रस्सी के सहारे फंदे से लटक खुदकुशी कर ली। मां जब छत से नीचे आई तो घटना का खुलासा हुआ।

**बेटे को नशे से दूर रखने के लिए हर कोशिश की :** हिलसा थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। कुछ महीनों में हिलसा शहर के विद्यापुरी, स्टेशन रोड और बिहारी रोड जैसे क्षेत्रों में भी इसी तरह की घटना सामने आई है। अरमान के पिता, जो एक निजी अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपने बेटे को नशे से दूर रखने की हर संभव कोशिश की, लेकिन हम असफल रहे।

### जमीन सर्वे के लिए आवेदन करना हुआ आसान अब वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं फॉर्म

**बक्सर, एजेंसी।** बिहार में जमीन का सर्वे चल रहा है। सर्वे के लिए कई लोग आवेदन कर रहे हैं। इस बीच सरकार ने आवेदन के लिए कुछ नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। जिसके बाद अब आवेदन की प्रक्रिया और भी सरल हो जाएगी। दरअसल बिहार सरकार के भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय ने बिहार विशेष सर्वेक्षण के तहत आवश्यक दस्तावेज़ों और प्रमाण-पत्रों की जानकारी और आवेदन प्रक्रिया को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत, सर्वेक्षण प्रक्रिया से संबंधित प्रपत्र-2 और प्रपत्र-3 (1) को अब निदेशालय की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदनकर्ता को अपना नाम, पता, खेसरा नंबर, मोबाइल नंबर, आधार संख्या एवं हस्ताक्षर सहित दस्तावेज कार्यालय में जमा करना होगा। इन प्रपत्रों को प्रिंट कर संबंधित शिविर कार्यालय में जमा करना है। यदि आवेदनकर्ता मृतक से संबंधित जानकारी दे रहे हैं, तो उन्हें मृत्यु प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा। इसके अतिरिक्त जो लोग असमर्थ हैं, उनके लिए किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा प्रतिनिधित्व की भी अनुमति दी गई है। जिसके लिए संबंधित व्यक्ति को अपनी आधार व मतदाता कार्ड की प्रतिलिपि भी जमा करनी होगी। निदेशालय की यह पहल बिहार में चल रहे विशेष सर्वेक्षण की प्रक्रिया को सुगम बनाने और दस्तावेज़ों का सत्यापन तेज़ी से पूरा करने के उद्देश्य से की गई है। इस नई व्यवस्था से लोगों को अब अपने जरूरी दस्तावेज तैयार करने और उन्हें समय पर जमा करने में आसानी होगी।

## पटना-हावड़ा वंदे भारत की बोगियों में बिजली आपूर्ति बाधित, डेढ़ घंटे तक यात्री परेशान

**पटना, एजेंसी।** पटना-हावड़ा रेलखंड पर मोकामा से पहले पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का पेंटो (विद्युत आपूर्ति बहाल करने वाला उपकरण) रविवार को क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेन लेमुआबाद हॉल्ट के पास रुक गई। लोको पायलट ने दूसरे पेंटो के सहारे ट्रेन को धीमी रफ्तार में मोकामा तक लाया। मोकामा में टीआरडी अभियंताओं तथा कर्मियों ने क्षतिग्रस्त पेंटो को ठीक कर ट्रेन को हावड़ा के लिए रवाना किया। ट्रेन लगभग 80 मिनट की देरी से मोकामा आई थी। मोकामा स्टेशन पर 20 मिनट तक ट्रेन रुकी रही। यात्री परेशान रहे। जानकारी के अनुसार पटना से हावड़ा जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस लेमुआबाद हॉल्ट क्रॉस कर रही थी और अचानक ट्रेन को रोकना पड़ गया। दरअसल ट्रेन के इंजन में खराबी आ गई थी। पेंटो के सहारे ही कर्षण तार से इंजन तक पावर आता है और ट्रेन चलती है। पेंटो के क्षतिग्रस्त होने के कारण ट्रेन वहीं रुक गई। लोको पायलट और मोटरमैन ने किसी तरह ट्रेन को 20 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से मोकामा तक ट्रेन को लाया। मोकामा में कर्षण अभियंता प्रवीण कुमार के नेतृत्व में अभियंताओं और कर्मियों ने ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया। रेल अधिकारियों की मानें तो लेमुआबाद हॉल्ट के पास

ओवरहेड कर्षण तार पर कोई वस्तु अटकी हुई थी। पेंटो को नुकसान पहुंचा था। वंदे भारत एक्सप्रेस का मोकामा में आगमन 9:00 बजे है। ट्रेन सुबह 10:20 में मोकामा पहुंची थी और 20 मिनट मोकामा में रुकने के बाद ट्रेन 10:40 में अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई। मोकामा में वंदे भारत के रुके रहने से नई दिल्ली हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस, पटना-धनबाद एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ।प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि लेमुआबाद हॉल्ट के पास ओवरहेड तार पर कोई वस्तु अटकी हुई थी और उसके कारण ओवरहेड कर्षण तार और पेंटो का कनेक्शन ठीक से नहीं बैठ सका। तार पर अटकी हुई वस्तु पेंटो में फंस गई थी

## पूर्णिया में सांसद पप्पू यादव ने बाढ़ पीड़ितों के बीच बांटे 2 लाख रुपए

**कहा- सरकार ने इन्हें इनके हाल पर छोड़ दिया, हम साथ खड़े हैं**

**पूर्णिया, एजेंसी।** पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव रविवार को रूपौली के बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे। जहां उन्होंने बाढ़ पीड़ितों की समस्याएं जानी और उनके बीच 2 लाख रुपए बांटे। रुपए कम पड़ गए तो सहयोगियों से रुपए लेकर लोगों में बांटा। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित इलाके में फूड पैकेट भी बंटवाए। पप्पू यादव ने रूपौली के भौआ प्रवल पंचायत के बाढ़ प्रभावित इलाके जंगलटोला, टोपरा, बिंद टोली, बलिया और सधोपुर गांव का दौरा किया। बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। पप्पू यादव ने कहा कि सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को उनके हाल पर छोड़ दिया है, लेकिन हम अपने लोकसभा क्षेत्र के लोगों के साथ खड़े हैं और बेटे का कर्तव्य निभा रहे हैं। सांसद ने बाढ़ पीड़ितों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस मुश्किल वक्त में उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे।

### आज 500 से अधिक घर में बांटे जाएंगे राशन

इससे पहले भी उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाके में फूड पैकेट बंटवाए। सोमवार को 500 से अधिक घरों में राशन और बाकी जरूरी समान बांटे जाएंगे, ताकि बाढ़ पीड़ितों को कुछ राहत मिल सके। इस दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने आमजन और स्वंयसेवी संस्थाओं से भी अपील की कि वे विपदा के समय में एकजुट होकर पीड़ित परिवारों की सहायता करें।

### बाढ़ के शुरुआती दिनों से हो रही पहल

दरअसल बाढ़ के शुरुआती दिनों से ही निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की पहल पर उनके प्रतिनिधि क्षेत्र में सक्रिय हैं। लगातार बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं। उनकी टीम बाढ़ पीड़ितों के बीच भोजन, खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी चीजों का वितरण कर रही है।

## जब्त गाड़ी छुड़ाने को बालू तस्करों का पुलिस पर हमला:जवान घायल

**बांका से अवैध बालू ला रहे थे, जब्त करने पर हमला**

**बांका /झाझा, एजेंसी।** बालू लदे ट्रैक्टर को जबरन छुड़वाने के लिए बालू तस्कर द्वारा की गई पत्थरबाजी में एक जवान घायल हो गया। घटना के बाद थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस संदर्भ में पुअनि नंदन कुमार के बयान पर बालू माफिया और अज्ञात कुछ महिला, पुरूष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवेदन में पुअनि ने बताया कि थानाध्यक्ष संजय सिंह को लगातार सूचना मिल रही थी कि बांका जिला से अवैध बालू का उठाव कर झाझा लाया जा रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर पुअनि नंदन कुमार दलबल के साथ टीम बनाकर रामडीह गांव के आगे पहुंचे तो एक ब्लू रंग की ट्रैक्टर बिना नंबर का अवैध बालू लेकर आता दिखा। दोनों वाहनों को रोकने की कोशिश तो ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर भागने लगा और बाइक चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। इसके बाद कुछ दूरी पर ट्रैक्टर को एक जगह से बरामद करने के बाद जब दोनों वाहनों को लेकर थाना आ रहे थे तभी तस्करों ने हमला कर दिया। हमले में एक जवान घायल हो गया। सभी आरोपितों की तलाश जारी है।

**बालू पर वर्चस्व को जिप सदस्य के पति ने युवक को मारी गोली :** खैरा थाना के कोल्हुआ गांव निवासी कुंदन राम को गांव के ही दबंग प्रवृति के कुछ लोगों ने घर में ही घुसकर गोली मार दी। बालू कारोबार में वर्चस्व को लेकर गोली मारी गई है। आरोप जिला परिषद सदस्य अनीता देवी के पति ललन राम और देवर दिलीप राम, दिवाकर राम पर है। घटना में कुंदन राम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मामले के आरोपी फिलहाल गांव छोड़कर फरार चल रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# मजबूत पछुआ से मानसून पड़ा कमजोर

## सितंबर में भी कम बारिश, गर्मी सताएगी

**पटना, एजेंसी।** सितंबर में भी बिहार के अधिकतर जिलों में सामान्य से कम बारिश होगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहेगा। मौसम विभाग ने रविवार को जारी अपने पूर्वानुमान में यह आशंका प्रकट की है। हालांकि, राज्य के दक्षिण-पश्चिम भाग के जिलों बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल में सामान्य बारिश होने के आसार हैं। बताया जा रहा है कि मजबूत पछुआ के कारण राज्य में मानसून कमजोर पड़ गया है।

राज्य में अब तक मानसून के दौरान सामान्य से 25 कम बारिश हुई है। इसमें जून में 52, जुलाई में 29 और अगस्त में 4 सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई। सितंबर में भी बारिश कम होने से प्रदेश में लगातार तीसरे वर्ष मानसून की बारिश सामान्य से कम होने के आसार हैं। बिहार में सामान्य तौर पर मानसून सीजन 12 जून से 8 अक्टूबर तक रहता है। इस माह बारिश कम होने और तापमान बढ़ने के कारण लोगों को गर्मी सताने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश कम होने से आद्रता की मात्रा बढ़ जाएगी। इस कारण लोगों को उमस भरी गर्मी का एहसास होगा। तापमान जितना रिकॉर्ड होगा, लोगों को कहीं उससे ज्यादा का अनुभव होगा। इसका प्रभाव कृषि और स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। देखें क्र12

### मजबूत पछुआ के कारण मानसून कमजोर

मौसम विभाग के अनुसार पिछले दो-तीन वर्षों से पछुआ काफी मजबूत हो गया है। इसी कारण राज्य में मानसून की अच्छी बारिश नहीं हो रही है। इसके अलावा पिछले कई वर्षों से सिस्टम आधारित बारिश हो रही है। लेकिन सिस्टम बिहार में ना बनकर दूसरे जगहों पर बन रहा है। इसी कारण अन्य और पड़ोसी राज्यों में बारिश हो रही है। लेकिन बिहार में बारिश नहीं हो रही।

### देश पूरे अगस्त मानसून सक्रिय रहा

नई दिल्ली। मानसून का मिजाज तेजी से बदल रहा है। ऐसा पहली बार हुआ है कि अगस्त महीने में एक दिन के लिए भी आसमान से बादल नहीं छंटे। यानि पहली बार पूरे अगस्त मानसून सक्रिय रहा, वर्ना दो से 20 दिनों तक के मानसून ब्रेक होते हैं, जिस दौरान न बारिश होती है और न ही आसमान में बादल नजर आते हैं। 1976 से लगातार मानसून ब्रेक के आंकड़े जुटाए जा रहे हैं।

### बिहार 4 जिलों में ही सामान्य से अधिक वर्षा

अब तक राज्य के चार जिलों में ही सामान्य से अधिक और शेष जिलों में सामान्य से कम कम बारिश हुई।इनमें अरवल व शेखपुरा में सात, औरंगाबाद में पांच और गया में सामान्य से दो प्रतिशत अधिक बारिश हुई।बेगूसराय, कैमूर, भागलपुर, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, पटना, पूर्णिया, सहरसा, समस्तीपुर, छपरा, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली में सामान्य से 35 या उससे भी कम बारिश दर्ज की गई।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

# जन जागरुकता के साथ जिले में 30 सितंबर तक चलेगा पोषण अभियान

- एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण की मिलेगी जानकारी
- पूरे माह कराई जाएगी अनेक प्रकार की गतिविधियाँ

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। पोषण के प्रति जनसमुदाय को जागरुक करते हुए 30 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण महाअभियान चलाया जाएगा। इस सम्बन्ध में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी ने जिला के सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को पत्र लिखा है। श्वेता कुमारी, सीडीपीओ चकिया के द्वारा पोषण माह के अंतर्गत सेविका के साथ मीटिंग की गई। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष सितम्बर माह मे पोषण माह का आयोजन किया जाता है। पोषण माह के दौरान समग्र रूप से व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों और छः वर्ष से कम उम्र के बच्चों में पोषण स्तर में अपेक्षित सुधार लाने एवं 3-6 वर्ष के बच्चो के प्रारंभिक देख-भाल एवं शिक्षा के प्रति समुदाय को संवेदनशील बनाने हेतु जन भागीदारी से गतिविधि का आयोजन करेंगे। सी थ्री जिला समन्वयक आदित्य राज ने बताया कि पोषण माह के अंतर्गत 2024 के थीम के आधार पर पूरे महीने मोतिहारी प्रखंड के सभी केंद्रों पर मनाया जायेगा जिसमें सभी पंचायत प्रतिनिधियों का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों पर हर दिन पांच तरह की गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। पोषण स्तर में सुधार लाने का प्रयास किया जाएगा। मोतिहारी सदर प्रखंड के रूलही पंचायत में सी थ्री के प्रखंड समन्वयक सारिका कुमारी, वार्ड सदस्य अन्ना देवी और सेविका द्वारा बच्चों के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी कविता कुमारी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर शिक्षा चौपाल आयोजित किए जाएंगे। बच्चों व उनके माता पिता के साथ खेल व खिलौना आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएगी। स्तनपान के महत्व, छह माह से अधिक बच्चों को दिए जाने वाले पूरक आहार में विविधता, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पोषण युक्त पदार्थ का पूरक आहार के रुप में प्रयोग के लिए लोगों को जागरुक किया जाएगा। आंगनबाड़ी केंद्रों पर आमलोगों के बीच जन-जागरुकता के लिए पूरे जिले में पोषण रैली, प्रभात फेरी और साइकिल रैली, पोषण शपथ कार्यक्रम और पोषण शपथ हस्ताक्षर अभियान का आयोजन भी किया जाएगा। पूरे सितंबर महीने में जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर समुदाय आधारित गतिविधियां जैसे गोदभराई सह सुपोषण दिवस और अन्नप्रासन के साथ ही आंगनवाड़ी सेविकाओं द्वारा गृह भ्रमण कर विभिन्न बिंदुओं को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है।

## संक्षिप्त समाचार

### सुगौली चीनी मिल में कृषक प्रशिक्षण शिविर आयोजित

**बीएनएम। मोतिहारी।** जिले के पहाड़पुर प्रखंड के बलुआ पंचायत सरकार भवन में बिहार सरकार और एचपीसीएल की सुगौली चीनी मिल इकाई के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान दो सौ किसानों को गन्ने की नवीनतम प्रणाली के बारे प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय पूसा के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र माधोपुर के वैज्ञानिक डॉ सतीश चंद्र और सौरभ दुबे ने कृषकों को गन्ने की प्रजातियां एवं कीट रोग प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षित किया। एचपीसीएल सुगौली के महाप्रबंधक ने किसानों को आश्वस्त किया कि आगामी पेराई क्षेत्र 24-25 का परिचालन समय से किया जाएगा। किसानों का गन्ना मूल्य भुगतान भी समय पर होगा। मिल अपनी पूरी क्षमता से गन्ने की पेराई करेगी। इसलिए किसान अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना लगाएं और अपना गन्ना अन्यत्र किसी दूसरी चीनी मिल में ना दें। गन्ना प्रबंधक संजीव कुमार ने उपस्थित किसानों को अंतर्वर्ती खेती करने, गन्ने के बीज उपचार और बिहार सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। गन्ना अधिकारी संतोष तिवारी एवं अजय शर्मा ने भी किसान भाइयों को आगामी शरद कालीन गन्ना बुवाई के लिए दो लाइनों के बीच की दूरी को बढ़ाने और दो आंख के टुकड़ों की बुवाई करने पर जोर देते हुए अन्य संबंधित जानकारी को साझा किया। गोष्ठी में क्षेत्रीय कर्मियों के साथ-साथ कृषकों में मुन्ना मिश्रा, वशिष्ठ सिंह, मनी चंद तिवारी, अभय सिंह, बलिराम सिंह, उपेंद्र सिंह, राजेंद्र राम सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

### टैंकर से तेल चुराने वाले गिरोह ने लाइन होटल के स्टॉफ को मारी गोली, हालत नाजुक

**बीएनएम। मोतिहारी।** सड़क किनारे खड़े टैंकर व ट्रक से डीजल-पेट्रोल की चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों ने एक लाइन होटल के स्टॉफ को गोली मार दी। बदमाशों की गोली से घायल युवक को मुजफ्फरपुर भेजा गया है। इसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना सोमवार तड़के सुबह मेहसी थाना क्षेत्र के एनएच-28 के बाबा लाइन होटल के पास की है। घायल युवक की पहचान मेहसी थाना क्षेत्र के बखरी नाजिर गांव के दीपक साह के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि एक कार पर सवार होकर चार बदमाश लाइन होटल पर खड़ी ट्रैंकर के पास पहुंचे, जिसे देख दीपक ने चिल्लाना शुरू कर किया। इसके बाद बदमाशों ने उस पर गोली चला दी। गोली दीपक के सिर में लगी। गोली चलाने के बाद सभी चोर कार में सवार होकर मुजफ्फरपुर की ओर फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग जमा हुए। घायल को मुजफ्फरपुर ले जाया गया, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। बताया गया है कि इस लाइन होटल पर अक्सर तेल की चोरी होती है। टैंकर में जब तेल भरकर ले जाया जाता है या कोई ट्रक ड्राइवर लाइन होटल पर खाना खाने या आराम के लिए रुकतो है इसी बीच चोर गिरोह के सदस्य तेल कटिंग कर वहां से फरार हो जाते हैं। मेहसी थानाध्यक्ष ने बताया कि सूचना मिली कि बदमाशों ने होटल के एक स्टाफ को गोली मार दी है। सूचना के बाद मौके पर पहुंच आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की पहचान की जा रही है।

## मिट्टी की मुफ्त में हो रही है जांच मृदा में होगी सुधार

बीएनएम। मोतिहारी

जिला कृषि कार्यालय परिसर स्थित जिला स्तरीय मिट्टी जाँच प्रयोगशाला में किसानों का मुफ्त में मिट्टी की जाँच की जाती है। यहाँ मिट्टी की जाँच 12 पारामीटर यथा पीएच, जैविक कार्बन, विद्युत चालकता, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, बोरॉन, सल्फर एवं सूक्ष्म पोषक तत्व जिंक, कॉपर, आइरन तथा मैगनिज की जाँच कर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड में मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्व तथा फसल के लक्षित उपज हेतु उर्वरक एवं मृदा सुधारक की अनुशंसा की जाती है। किसानों द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दिये गये अनुशंसा के अनुसार खेती कर उत्पादन एवं उत्पादकता दोनों को बढ़ाया जा सकता है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना 2024-25 में पूर्वी चम्पारण जिले में मिट्टी नमूनों का लक्ष्य 25300 है। अभी तक प्रयोगशाला में कुल 22927 मिट्टी नमूना जमा हो चुका है जिसमें से 5004 मिट्टी नमूनों का विश्लेषण हो चुका है एवं 2360 मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों को उपलब्ध करा दिया गया है। जिले के आंकाक्षी प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर एवं केसरिया में निर्धारित लक्ष्य क्रमशः 1560 एवं 1071 के विरुद्ध शत्-प्रतिशत मिट्टी नमूनों का संग्रहण कर प्रयोगशाला को उपलब्ध करा दिया गया है। प्रखंड कल्याणपुर में 467 मिट्टी नमूनों का विश्लेषण कर लिया गया है एवं 373 मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किसानों के बीच किया जा चुका है। प्रखंड केसरिया में 527 मिट्टी नमूनों का विश्लेषण कर लिया गया है एवं 177 मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किसानों के बीच किया जाना है। पूर्वी चम्पारण जिले में प्रखंड चकिया, चिरैया, ढाका, रक्सौल, रामगढ़वा में 1-1 एवं पताही में 2 कुल 7 ग्राम स्तरीय मिट्टी जाँच प्रयोगशाला क्रियाशील है जहाँ मिट्टी नमूनों का विश्लेषण कार्य निश्चित शुल्क के साथ किया जा रहा है। जिले में दिनांक 03.09.2024 से दिनांक 05.09.2024 तक प्रखंड सुगौली के फुलवरिया ग्राम, प्रखंड बंजरिया के पचरुखा ग्राम, प्रखंड चकिया के मकरी महुआवा ग्राम, प्रखंड पिपराकोठी के दक्षिणी वेकहा ग्राम एवं प्रखंड मोतिहारी के बसवरिया ग्राम में चलंत मिट्टी जाँच प्रयोगशाला (एमएसटीएल वान) का परिचालन किया जाएगा। इसमें किसानों के मिट्टी की जाँच हेतु जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जाएगा।

## एक दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में सुगौली ने ट्राफी पर जमाया कब्जा

**विधायक सहित कई प्रबुद्धजनों ने किया पुरस्कार वितरण**

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के कोटवा प्रखंड क्षेत्र के करिया पंचायत के मर्दहटिया बाजार के खेल मैदान में न्यू यंग रीजन वॉली बॉल टूर्नामेंट-2024 का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन पैक्स अध्यक्ष बृज किशोर यादव, विजय यादव, नूर अहमद, सुनील पटेल, रोबिन सिंह, शंकर यादव, किरण यादव ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। टूर्नामेंट में सुगौली, पकड़ीदयाल, मोतिहारी और मेजबान टीम कोटवा मर्दहटिया सहित चार टीमों ने भाग लिया। खेल में एक दूसरे टीम को पराजित करते हुए कोटवा मर्दहटिया और सुगौली की टीम ने फाइनल मुकाबले में भाग लिया। फाइनल मुकाबले में सुगौली की टीम ने कोटवा मर्दहटिया के टीम को पराजित कर चमचमाती ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया। मुख्य अतिथि स्थानीय राजद विधायक सह राजद जिला अध्यक्ष मनोज कुमार यादव ने विजेता और उप विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान किया। विधायक ने कहा कि पढ़ाई के साथ अच्छे स्वास्थ के लिए खेल भी बहुत जरूरी होता है। खेल में अच्छा प्रदर्शन कर आप अपने कैरियर को बना सकते हैं। उन्होंने खेल मैदान में पहुंच सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। साथ ही पराजित टीम का भी हौसला अफजाई करते हुए कहा कि मन लगाकर खेलिए। क्योंकि, हार के आगे जीत है। मैच में अंपायर के भूमिका में मनीष कुमार, विवेक सिंह और राजीव कुमार और कॉमेंटेटर अरुण जेटली और संदीप यादव रहे जबकि स्कोरर के रूप में अरुण कुमार मौजूद थे। व्यवस्थापक दिलीप कुमार, धीरज कुमार, दिलीप सर, सोनू कुमार, रजनीश कुमार, नितेश कुमार, सुनील कुमार, गोल्डन कुमार, रंजय कुमार, पवन कुमार, योगेंद्र प्रसाद यादव, रबिन्द्र प्रसाद की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

## एमजीसीयू में एंकरिंग और कंटेंट राइटिंग पर सत्र आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में सोमवार को एंकरिंग और कंटेंट राइटिंग पर एक दिवसीय सत्र का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान विभाग के दो प्रतिष्ठित पूर्व छात्राएं न्यूज नेशन चैनल की एंकर प्रकृति और 2017-2020 बैच की अंग्रेजी की स्नातक नाज़िया रहमान ने हिस्सा लिया और अनुभव को साझा किया। एंकर प्रकृति ने आत्मविश्वास बनाने, सही उच्चारण में महारत हासिल करने, कैमरे का सामना करने और उसे संभालने, शब्दों के साथ खेलने, और एक अच्छा व्यक्तित्व बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं के साथ ही उन्होंने कंटेंट निर्माण, उपयुक्त हैशटैग, एआई टूल्स का उपयोग, और वर्तनी, विराम चिह्न, और व्याकरण संबंधी त्रुटियों पर ध्यान देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। नाज़िया रहमान ने कंटेंट राइटिंग के बारे में व्याकरणिक संरचनाओं को सीखने, आकर्षक शब्दों और टैगलाइन के उपयोग, एआई और ग्राफिक डिजाइन टूल्स को शामिल करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कंटेंट निर्माण में रचनात्मकता और रंग सिद्धांत की समझ पर भी चर्चा की। सत्र में अंग्रेजी विभाग के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का संचालन अंग्रेजी विभाग के शोधार्थी कृष्ण कुमार ने किया। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमलेश के. सिंह ने दोनों पूर्व छात्राओं को उनके उत्कृष्ट सत्र के लिए आभार व्यक्त किया। सहायक प्रोफेसर डॉ. उमेश पात्रा ने कक्षा में चर्चा, रचनात्मक असाइनमेंट, उत्तर लेखन, और सांस्कृतिक गतिविधियो जैसे विषयो पर चर्चा करते छात्रो को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी ऐसे सत्र आयोजित किए जाएंगे। सत्र का समापन कृष्ण कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

# निवर्तमान प्राचार्य का भव्य कार्यक्रम से हुआ विदाई समारोह

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। सोमवार को शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय के स्मार्ट क्लास रूम में निवर्तमान प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार के विदाई समारोह का भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के सीनियर फैकल्टी मेंबर प्रो.(डॉ.) एम.एन. हक़ ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम प्रदान कर विदा ले रहे प्राचार्य का हृदय से स्वागत किया। इसके पश्चात नए प्राचार्य प्रो.(डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि जब से मैं हिंदी विभाग में आया तब से मुझे इनका अपार स्नेह और प्रेम मिला जिसके लिए मैं हमेशा कृतज्ञ रहूंगा।हमलोगों के बीच किसी भी मसले पर किसी बात को लेकर कोई तकरार की स्थिति कभी नहीं बनी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एम.एन. हक़ ने कहा कि हमलोग साथ-साथ 1996 में यहां आए लेकिन कभी हमलोगों के बीच प्रेम भाव में कोई कमी नहीं आई। विदाई समारोह को एन.सी.सी.पदाधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ.नरेंद्र सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ.अमित कुमार, भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अमरजीत कुमार चौबे, मनोविज्ञान विभाग की डॉ.विदुषी दीक्षित, लॉ इंचार्ज डॉ.मयंक कपिला,हिंदी विभाग के डॉ.गौरव भारती और पी.टी.आई.मनोरंजन प्रसाद सिंह ने भी संबोधित किया। सबों ने निवर्तमान प्राचार्य के पिछले साढ़े तीन वर्षों के शानदार कार्यकाल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.) एकबाल हुसैन ने कहा कि मेरे मित्र डॉ.अरुण कुमार बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति हैं और इनके कुशल नेतृत्व में महाविद्यालय का चतुर्दिक विकास हुआ है। अंत में निवर्तमान प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने शिक्षकों और कर्मचारियों से भरे प्रशाल में सबको संबोधित करते हुए कहा कि कॉलेज में जो कुछ भी अच्छा हो सका है उसका श्रेय मैं अपने शिक्षकों और कर्मचारियों को देता हूं और जो भी कमियां रह गई हैं उसे मेरी कमियां समझा जाय। आगे भी कॉलेज के विकास के लिए जो कुछ मुझ से बन पड़ेगा वह मैं करता रहूंगा। यह महाविद्यालय नित नई ऊंचाइयों का प्रतिमान गढ़े, यही मेरी दिली कामना है।अपने 28 वर्षों के लंबे कार्यकाल में मुझे जो महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों नगर की जनता और यहां के राजनेताओं, विशेष कर सांसद राधामोहन सिंह का जो प्यार,सौजन्य और सहकार मिला वह मेरे संपूर्ण कार्यकाल की अनमोल नियामत है। इस अवसर पर हिंदी विभाग के द्वारा प्रो.अरुण को अभिनंदन पत्र भी प्रदान किया गया। समस्त कार्यक्रम का कुशल संचालन अपने खास शायराना अंदाज में प्रो.एकबाल हुसैन ने किया। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अरुण कुमार ने दी है।

## संक्षिप्त समाचार

### सेंट्रल बैंक के सीएसपी से करीब ढाई लाख की लूट, केसरिया के महम्मदपुर की घटना

**छानबीन में जुटी पुलिस**

**बीएनएम। केसरिया।** बेखौफ अपराधियों ने केसरिया थाना क्षेत्र के महम्मदपुर में सोमवार को लूट की घटना को अंजाम दिया है। इस घटना में सेंट्रल बैंक के सीएसपी को निशाना बनाया गया है। जहाँ से दिनदहाड़े हथियार के बल पर करीब ढाई लाख रुपया लूट लिया गया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूचना पर डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह, पुनि मुनीर आलम व प्रभारी थानाध्यक्ष अनिता कुमारी ने घटनास्थल पर पहुँच मामले की छानबीन शुरू कर दी है। बताया जाता है कि केसरिया टोला निवासी मंजीत कुमार महम्मदपुर चौक पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का सीएसपी संचालित करते हैं। सोमवार को करीब 10 बजे वे अपने सीएसपी में थे। इसी बीच अपाची बाइक पर दो नकाबपोश अपराधी केसरिया की तरफ से आये। अचानक सीएसपी में घुस कर सीएसपी संचालक मंजीत पर हथियार तान दिया। जिसके बाद करीब ढाई लाख लूट खजुरिया की तरफ भाग निकले। डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। घटना में शामिल अपराधियों की पहचान को लेकर कार्रवाई की जा रही है। इधर, समाचार प्रेषण तक मामले को लेकर थाना में कोई आवेदन नहीं दिया गया था।

### बैंक से निकासी कर घर जा रही महिला से उड़ाये 30 हजार

**बीएनएम। केसरिया।** बैंक से रुपया निकाल कर घर जा रही एक महिला से उचक्कों ने 30 हजार उड़ा लिया है। बताया जाता कि बिजधरी थाना क्षेत्र के मनोहर छपरा की शांति देवी सोमवार को केसरिया स्थित बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से 30 हजार निकासी की। निकासी की गई राशि को थैला में रख कर घर जाने के लिए बैंक से निकली। इस दौरान पीड़ित महिला बैंक से कुछ दूरी पर आकर बैठ गई। जहाँ इसके बगल में एक अपरिचित महिला आकर बैठ गई। थोड़ी देर बाद अपरिचित महिला चली गई। जब पीड़ित महिला ने अपना थैला देखा तो उसमें से पैसा गायब था। मामले को लेकर पीड़ित महिला ने थाना में आवेदन दिया है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

### 67 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब समेत बाइक बरामद

**बीएनएम। रक्सौल।** शराब तस्करों ने शराब तस्करी का नायाब तरीका अपनाया है। इसका खुलासा भेलाही थाना पुलिस द्वारा शराब बरामदगी के बाद हुआ। भेलाही पुलिस ने रविवार को रात्रि गश्ती के दौरान 67 बोतल कस्तूरी नेपाली शराब के साथ बाइक बरामद किया है। इसकी जानकारी भेलाही थानाध्यक्ष नितिन कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि मुशहरवा कब्रगाह के पास पुलिस वाहन को देखते बाइक चालक बाइक छोड़ भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा भी किया परन्तु सरेही रास्ते व अंधेरे का लाभ ले तस्कर नेपाल सीमा की ओर भाग निकला। बाइक की तलाशी लेने पर सीट के नीचे व पेट्रोल की टँकी में बने गुप्त तहखाने में रखे 67 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब बरामद किया है। थानाध्यक्ष श्री कुमार ने बताया कि बाइक मालिक की पहचान कर ली गई है। पुलिस सत्यापन के कार्य मे जुटी है।

## एलएनडी कॉलेज में लगाया गया कल्पवृक्ष

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय में सोमवार को जिले का दूसरा अति दुर्लभ कल्पवृक्ष लगाया गया। कल्पवृक्ष के पौधे को कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार, पर्यावरण प्रेमी केशव कृष्ण, एनसीसी सीटीओ डॉ. प्रभाकर कुमार ने संयुक्त रूप से रोपित किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने बताया कि इस जिले में यह पौधा मात्र दूसरी जगह लगाया गया है। इससे पहले कल्पवृक्ष सोमेश्वर नाथ मंदिर परिसर, अरेराज में लगाया गया है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि इस अतिदुर्लभ पौधे के देख भाल के प्रति हमसब को सजग रहना होगा। केशव कृष्णा ने बताया कि इस पौधे को हजारों किलोमीटर दूर आंध्र प्रदेश के त्रिशूर से लाया गया है। एनसीसी सीटीओ डॉ. प्रभाकर कुमार ने कहा कि महाविद्यालय परिसर में कल्पवृक्ष को लगाये जाने से महाविद्यालय परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. रविरंजन सिंह, रणविजय सिंह की उपस्थिति रही। वही रूपेश साह,अभिषेक, रजनीश,निक्की,खुशी,पलक,आराध्या, सान्या,आकाश आदि ने पौधारोपण में सहयोग किया।

## वाल्मीकि नगर में मिला दुर्लभ प्रजाति का कछुआ

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र अंतर्गत 3 आर डी पुल के निकट मुख्य तिरहुत नहर से निकलकर एक दुर्लभ प्रजाति के कछुआ को तीन आर डी पुल स्थित थाना जाने वाले सड़क पर रेंगते हूए सोमवार की शाम को देखा गया। ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठी हो गई। अद्भुत कछुआ को देखकर लोग आश्चर्य महसूस कर रहे थे ।ग्रामीणों द्वारा कछुआ को उठाकर फिर से नहर के पानी में डाल दिया गया।ताकि कछुआ पर कोई संकट नहीं आए। जानकारी हो कि कछुआ उभयचर प्राणी जीव है। वह पानी में और धरती पर दोनों जगह रह सकता है और अपने को अनुकूलन कर लेता है, यहां टाइगर रिजर्व क्षेत्र है। यहां पर विभिन्न प्रजाति का कछुआ पाया जाना सामान्य घटना है ।बहुत से ऐसे जीव जंतु,सरिसृप और पशु, पक्षी हैं। जो दुर्लभ प्रजाति में है, यह भी टाइगर रिजर्व में पाए जाते हैं। हालांकि इस बाबत जानकारी के लिए वन विभाग से संपर्क का प्रयास किया गया, किंतु संपर्क नहीं हो सका है।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सदस्यता के साथ भाजपा का महापर्व सदस्यता अभियान हुआ शुरू

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

सोमवार को भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष रंजन कुमार की अध्यक्षता में भाजपा के महापर्व सदस्यता अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला के पदाधिकारियों, मंच और मोर्चा अध्यक्षों, तथा पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान जिला की चार सदस्यीय कमेटी के अलावा मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र के शहरी मंडल के प्रभारियों और सभी जिला परिषद क्षेत्रों के सदस्यता प्रभारियों की घोषणा की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रंजन कुमार ने कहा कि मुजफ्फरपुर जिले के प्रत्येक बूथ पर 200 लोगों को सदस्यता दिलानी है। उन्होंने बताया कि युवा मोर्चा 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को पार्टी से जोड़ने का कार्य करेगा, जबकि महिला मोर्चा घर-घर जाकर महिलाओं को सदस्य बनाएगी, विशेष रूप से उन महिलाओं को जो प्रधानमंत्री जी की योजनाओं का लाभ ले चुकी हैं। किसान मोर्चा को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि किसान सम्मान योजना से लाभान्वित सभी किसानों को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता दिलाई जाए। इसी तरह, सैनिक प्रकोष्ठ और विधि प्रकोष्ठ को भी अपने-अपने क्षेत्रों में सदस्यता अभियान को गति देने के निर्देश दिए गए। रंजन कुमार ने यह भी कहा कि जिले को मिले सात लाख के सदस्यता लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से एक लाख लोगों को जोड़कर दस लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य है, जिससे मुजफ्फरपुर जिला पूरे प्रदेश में अव्वल स्थान प्राप्त कर सके। इस बैठक में जिला महामंत्री सह मुख्यालय प्रभारी सचिन कुमार, धर्मेन्द्र साहू, प्रभु कुशवाहा, उपाध्यक्ष उपेन्द्र पासवान, रामनरेश मालाकार, मंत्री धनंजय झा, नचिकेता पाण्डेय, मीडिया प्रभारी डॉ. साकेत शुभम ठाकुर, आशीष अग्रवाल, राकेश पटेल, मोर्चा अध्यक्ष विजय पाण्डेय, विकास गुप्ता, भारतरत्न यादव, राशी खत्री, देवांशु किशोर, कपिलेश्वर प्रसाद, बिन्देश्वर सहनी, आनंद कृष्ण, अनिल सिंह, विधानसभा प्रभारी सत्यप्रकाश भारद्वाज, उमेश पाण्डेय, राजकुमार साह, अबोध साह, शांतनु शेखर, अमित राठौर, अभिषेक सौरभ, दिलीप कुमार, प्रकाश बबलू, ममता कुमारी, अभिषेक सिंह सहित कई अन्य प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

## एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही आकर्षण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकर्षण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती।

# उमेश उपाध्याय पत्रकारिता एवं राष्ट्रवादी सोच के प्रतिभापुंज

ललित गर्ग

पत्रकारिता के एक महान् पुरोधा पुरुष, मजबूत कलम एवं निर्भीक वैचारिक क्रांति के सूत्रधार, उत्कृष्ट राष्ट्रवादी, प्रखर मीडिया प्रशासक एवं लेखक उमेश उपाध्याय अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका 66 वर्ष की उम्र में 1 सितम्बर 2024 को एक दुर्घटना में इस तरह अलविदा कह देना स्तब्ध कर रहा है, गहरा आघात दे रहा है, समूचा पत्रकार जगत अपने इस योद्धा को खोकर गममीन एवं दुःखी है। एक संभावनाओं भरा हिन्दी पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल पत्रकारिता जगत के लिये बल्कि भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये अपूरणीय क्षति है। टेलीविजन, प्रिंट, रेडियो और डिजिटल मीडिया में चार दशकों से अधिक के अपने करियर के दौरान उन्होंने प्रमुख मीडिया संगठनों में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। मीडिया उद्योग की बारीकियों की गहरी समझ, पत्रकारिता की ईमानदारी के प्रति समर्पण और तेजी से बदलते मीडिया उद्योग के साथ सामंजस्य बिठाने की उनकी कुशलता के लिए वे जाने जाते थे। उमेश उपाध्याय का जीवन सफर आदर्शों एवं मूल्यों की पत्रकारिता की ऊंची मीनार है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। उमेश उपाध्याय वरिष्ठ भारतीय टेलीविजन पत्रकार, लेखक और मीडिया कार्यकारी थे। उनकी पुस्तक "वेस्टर्न मीडिया नैरेटिव्स ऑन इंडिया-गांधी टू मोदी" विदेशी मीडिया के भारत विरोधी एजेंडे की संदिग्धता को उजागर करती है। विदेशी मीडिया की भारत विरोधी साजिश को भी बेनकाब करने में इस पुस्तक की महत्वपूर्ण भूमिका है। टीआरपी की रेस में तेजी से दौड़ते न्यूज़ चैनल के प्रमुख कर्ताधर्ता होने के बावजूद औरों से इतर, चीख-चीत्कार से दूर रचनात्मक एवं सृजनात्मक टीवी पत्रकारिता करते हुए उन्होंने जो मूल्य-मानक स्थापित किये, वे लम्बे दौर तक अविस्मरणीय रहेंगे। उनकी बड़ी विशेषता रही कि वे अपने सहकर्मियों के साथ सहज, सरल और शालीन व्यवहार करते हुए सबके प्रिय एवं आत्मीय बने रहे। उमेश उपाध्याय ने बदलते समय और तकनीक के साथ-साथ अपनी कम्युनिकेशन स्किल को और ज्यादा धार दी। वे एक स्वतंत्र लेखक, स्वतंत्र मीडिया सलाहकार और विश्लेषक भी थे। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में मीडिया के अध्यक्ष और निदेशक के रूप में काम किया, इससे पहले वे नेटवर्क 18 में समाचार के अध्यक्ष थे। मीडिया और शिक्षा जगत में अपने 25 साल से ज्यादा लंबे करियर के दौरान उन्होंने जनमत टीवी में चैनल हेड, ज़ी न्यूज़ में कार्यकारी निर्माता और आउटपुट संपादक, होम टीवी में कार्यकारी निर्माता, दूरदर्शन के संवाददाता और प्रेस ट्रस्ट ऑफ़ इंडिया में उप संपादक रहे। उन्होंने सब टीवी में भी काम किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में एक व्याख्याता के रूप में अपना करियर शुरू किया, ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) के साथ एक राजनीतिक विश्लेषक और टिप्पणीकार रहे हैं और एडिटर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया के सदस्य भी रहे हैं। 1959 में मथुरा में जन्मे उपाध्याय ने 1980 के दशक की शुरुआत में पत्रकारिता को करियर के रूप में अपनाया। उपाध्याय जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र थे। उन्होंने जेएनयू के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज से मास्टर्स और एम.फिल किया और दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद के सदस्य के रूप में कार्य किया। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय जनसंचार एवं पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल की प्रबंध समिति और कार्यकारी परिषद, राष्ट्रीय जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान, अहमदाबाद की सलाहकार परिषद, आईआईएमसी सोसाइटी, भारतीय

जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली की कार्यकारी परिषद और भारतीय राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय सोसाइटी (एनओएस) के कार्यकारी बोर्ड के वे सदस्य रहे। उपाध्याय को पत्रकारिता और मीडिया के क्षेत्र में आजीवन योगदान के लिए गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वे एक सार्वजनिक वक्ता और मीडिया मुद्दों के विशेषज्ञ भी थे। उपाध्याय समसामयिक राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर नियमित टिप्पणीकार एवं स्तंभकार थे। उपाध्याय ने रायपुर में दिशा एजुकेशन सोसाइटी के निदेशक के रूप में शैक्षणिक क्षेत्र में एक वरिष्ठ पद संभाला। उन्होंने दिशा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के मामलों का प्रबंधन किया और उन्हें दिशा विश्वविद्यालय के प्रो वीसी के रूप में नामित किया गया था। उपाध्याय नई दिल्ली में नारद जयंती पुरस्कारों के लिए जूरी के सदस्य भी थे। उपाध्याय भोपाल के माखन लाल राष्ट्रीय पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के लिए एक नए कुलपति का चयन करने वाली खोज समिति के सदस्य भी थे। उमेश उपाध्याय को निर्भीक विचारों, स्वतंत्र लेखनी और बेबाक राजनैतिक टिप्पणियों के लिये जाना जाता रहा है। उनको पढ़ने वाले लोगों की संख्या लाखों में है और अपने निर्भीक लेखन से वे काफी लोगों के चहेते थे। उन्होंने पत्रकारिता में उच्चतम मानक स्थापित किये। अपनी कलम के जरिये उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कलम जब भी चली उन्होंने लाखों लोगों की समस्याओं को सरकारों और प्रशासन के सामने रखा और भारतीय लोकतंत्र में लोगों की आस्था को और मजबूत बनाने में योगदान दिया। हम उन्हें भारतीयता, पत्रकारिता का अक्षयकोष कह सकते हैं, वे चित्रता में मित्रता के प्रतीक थे तो गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, निडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। वे एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व थे, जिन्हें पत्रकार जगत का एक यशस्वी योद्धा माना जाता है। उन्होंने आमजन के बीच, हर जगह अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। लाखों-लाखों की भीड़ में कोई-कोई उपेशजी जैसा विलक्षण एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति जीवन-विकास की प्रयोगशाला में विभिन्न प्रशिक्षणों-परीक्षणों से गुजर कर महानता का वरण करता है, विकास के उच्च शिखरों पर आरूढ़ होता है और अपनी मौलिक सोच, कर्मठता, कलम, जिजीविषा, पुरुषार्थ एवं राष्ट्र-भावना से समाज एवं राष्ट्र को अभिप्रेरित करता है। उन्होंने आदर्श एवं संतुलित समाज निर्माण के लिये कई नए अभिनव दृष्टिकोण, सामाजिक सोच और राष्ट्रीयता से ओतप्रोत सकारात्मक वातावरण निर्मित करने की शुरुआत की। देश और देशवासियों के लिये कुछ खास करने का जज्बा उनमें कूट-कूट कर भरा था। वे समाज एवं पत्रकारिता के लिये पूरी तरह समर्पित थे। उनके जीवन से जुड़ी विधायक धारणा और यथार्थपरक सोच ऐसे शक्तिशाली हथियार थे जिसका वार कभी खाली नहीं गया। वे जितने उच्च नैतिक-चारित्रिक पत्रकार थे, उससे अधिक मानवीय एवं सामाजिक थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई ये जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे। किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है। उमेश उपाध्याय के नेतृत्व में ज़ी न्यूज़ ने अपनी पहुंच और प्रभाव का काफ़ी विस्तार किया, और पूरे भारत में एक जाना-माना नाम बन गया। उनके कुशल मीडिया प्रबंधन और सामग्री वितरण के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण के कारण उनके साथियों में भी उनका काफी सम्मान था। अपने पूरे करियर के दौरान, उमेश उपाध्याय को ज़िम्मेदार पत्रकारिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। उन्होंने समाचारों के नैतिक प्रसार का समर्थन किया और पत्रकारों की अगली पीढ़ी को मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी अध्यात्म में गहरी रुचि एवं उनका खुद गहरा आध्यात्मिक चिंतन था। भारत के संतों एवं आध्यात्मिक गुरुओं में वे बड़ी आस्था रखते थे और अक्सर उनसे मिलकर गहन चर्चाएं करते थे। उनके घर का परिवेश भी अध्यात्ममय था, जहां रामायण आदि का पाठ अक्सर होता रहता था। वे नए तरीके से सोचने में विश्वास रखते थे यही वजह है कि उन्होंने उसे समय पर न्यूज़ और व्यूज यानी जनहित एवं मनोहारिता को मिक्स करने के कई प्रयोग किये और वे सफल भी रहे, जिन्हें बाद में कई लोगों ने आजमाया। उन्होंने डिजिटल मीडिया की इतनी संभावनाओं से करीब एक दशक पहले ही यह बात कह दी थी कि आने वाला समय टेलीविजन से हटकर मोबाइल में सिमट जाएगा। उमेशजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल प्रखर पत्रकार, लेखक, कुशल मीडिया प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ पत्रकारिता, समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है।

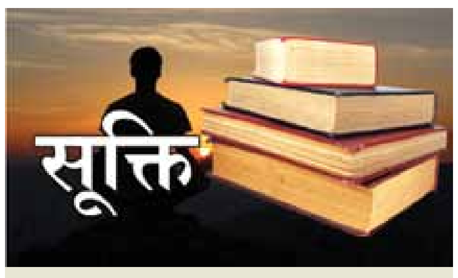


श्रेष्ठ होना कोई कार्य नही बल्कि यह हमारी एक आदत है जिसे हम बार बार करते है।

- अरस्तु

विजेता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए, जबकि हारने वाले बोलते हैं कि कुछ होना चाहिए

- शिव खेरा

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि 30, भोमवासरे, पूर्वा नक्षत्रे, सिद्ध योगे, नाम करणे, सिंह की चंद्रमा, स्नान दान अमावस्या, ओम हूँ फट इति मंत्र कुशोषष्टम, मूल समाप्त रात्रि 12/34 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

**आज जन्म लिए बालक का फल.......**

आज जन्म लिया बालक सुशील, कोमल, हृदय, दयालु, किंतु जिद्दी, हठी, शिक्षक, शिक्षा विद, पंडित, विद्वान, लेक्चरार, प्रोफेसर, सोना चांदी का व्यापारी, दूध दही की डेरी वाला तथा छुई, चूना का व्यापारी, जरकिन,डोलोमाइट, वाइट स्टोन, क्रेशर का व्यापारी होवेगा।

मेष राशि :- सुख समृद्धि के योग बनेंगे, स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास, समृद्धि के योग फलप्रद रहेंगे।

वृष राशि - कुछ लोगों द्वारा की गई उपेक्षा से भावुक होंगे, रुके हुए कार्य बनेंगे, संतोष होगा।

मिथुन राशि - दैनिक कार्य की चिंताएं बनी रहेंगी, व्यावसायिक क्षमता अनुकूल होगी ध्यान रखें।

कर्क राशि - संघर्ष एवं सफलता जुटा सकते हैं। बिगड़ें कार्य बनेंगे, सतर्कता से कार्य करें।

सिंह राशि - स्त्री शरी कष्ट, मानसिक बैचेनी, स्वभाव में क्रोध व तनाव बना रहेगा, ध्यान दें।

कन्या राशि शांति और धैर्य से कार्य करें, अनावश्यक विरोधी तत्व परेशान करेंगे ।

तुला राशि - समय अनुकूल नहीं है, परिश्रम विफल होगा, विरोधी तत्व परेशान करेंगे ।

वृश्चिक राशि - योजनाएं फलीभूत होंगे, अनावश्यक सफलता का हर्ष होगा, कार्य में अवरोध होगा।

धनु राशि - कार्य अनुकूल पर फलप्रद नहीं, किंतु अधिकारियों का वांक्षनीय सहयोग प्राप्त होगा।

मकर राशि - कुटुम्ब की समस्याएं मन उद्विघ्न रखें, लेनदेन में हानि होवेगी, समय का ध्यान रखें।

कुंभ राशि - कुछ आशाओं से धैर्य बना ही रहेगा, प्रयत्न शीलता विफल होगी, कार्य बनेंगे।

मीन राशि - सोची योजना लाभप्रद होगी, समृद्धि के साधन जुटायें, कार्य योजना फलीभूत होगी।

# प्रकृति का संचालक' है जल

संजय गोस्वामी

हमारे शरीर में जल की कमी से चक्कर आना, थकान और कमजोरी महसूस होने जैसे लक्षण पैदा होने लगते हैं। शरीर में यदि दो प्रतिशत जल की कमी हो जाये तो प्यास लगती है, भूख लगती है, त्वचा शुष्क हो जाती है, मुँह सूखने लगता है, ठंड लगती है और मूत्र का पीलापन बढ़ जाता है। यदि पांच प्रतिशत की कमी हो जाये तो हृदय की धड़कन बढ़ जाती है, मल-मूत्र त्याग में परेशानी होने लगती है, माँसपेशियों में अकड़न पैदा हो जाती है, थकान बढ़ जाती है, मिचली और सिरदर्द जैसे लक्षण महसूस होने लग जाते हैं। वहीं यदि 10 प्रतिशत की कमी हो जाये तो तत्काल चिकित्सकीय सुविधा प्राप्त करनी चाहिए। ऐसे में चक्कर आना, माँसपेशियों में अकड़न, उल्टी, नाड़ी तेज चलना, शरीर का सिकुड़ना, धुँधला दिखना, साँस लेने में परेशानी, याददाश्त में कमी, सीने में दर्द, मूत्रत्याग में कष्ट जैसे लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं। विभिन्न मौसम भी जल पीने की मात्रा को प्रभावित करते हैं। शीत काल में ज्यादा प्यास नहीं लगती, जबकि ग्रीष्म काल में ज्यादा जल पीने की आवश्यकता पड़ती है। परन्तु, शुष्क वायु होने के कारण मनुष्य को प्यास न लगने पर भी समय-समय पर जल पीते रहना चाहिए। जल की कमी होने से झिल्लियाँ, फेफड़े, आँत, आदि के शुष्क होने का खतरा बढ़ जाता है जिससे संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। जल की उचित मात्रा मोटापा घटाने, शरीर से व्यर्थ पदार्थों को निकालने, पाचन तंत्र और वृक्क को ठीक रखने में सहायक होती है। आज जल समस्या को देखते हुए ऐसे कदम उठाने आवश्यक आ पड़ी है जिससे भविष्य में पानी की प्रचुरता बनी रहे और अगली पीढ़ी को भी स्वच्छ जल उपलब्ध हो सके। अगर हम अभी से नहीं चेते तो अगली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। आइए, जल बचायें और संरक्षित भी करें। हम सभी जानते हैं कि जीवन का उद्भव, वृद्धि और विकास क्रम का मौलिक आधार भी जल ही है। प्रकृति ने हमारी पृथ्वी पर वायु एवं जल दोनों को बड़ी ही प्रचुरता तथा निर्मलता से प्रदान किया था। इस समय की हमारी सभ्यता ने इनकी निर्मलता एवं प्रचुरता दोनों को ही दुष्प्रभावित किया है। इसलिए हमें धरती पर जल की प्रचुरता होने के बावजूद इसे ठीक ठीक रखने की आवश्यकता है। हमारा देश भारत लगभग तीन तरफ से महासागरों से घिरा है। इसमें अनेक स्थानों पर जल के समृद्ध भण्डार हैं। चेरापूँजी जैसे कुछ स्थान ऐसे हैं जहाँ प्रचुर वर्षा होने के बावजूद पेयजल की समस्या बनी रहती है, तो दूसरी तरफ कुछ स्थान ऐसे स्थान भी हैं जहाँ के निवासियों को जल प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन पाँच-सात किलोमीटर तक चल कर जल प्राप्त करना पड़ता है। ऐसे जगहों पर परिवार के कुछ सदस्यों को जल व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंप दी जाती है। बिडम्बना देखिए कि हमारे देश के अधिकांश जगहों पर पानी की सुलभता से उपलब्ध हो जाने के कारण आमजन उसका उपयोग तो खूब करते हैं, परन्तु उसके महत्व को समझ नहीं पाते हैं। ऐसी परिस्थिति में जल अपव्यय रोकने और उपयोग में संयम बरतने के लिए समझाया जाना चाहिए। इसके साथ ही जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने तथा उनके संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान प्राप्त करने हेतु वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित और क्रियाशील करने की आवश्यकता है। इधर बीच भारत सहित अनेक राष्ट्रों ने जल संरक्षण की दिशा में काफी कार्य हो रहा है। ऐसा देखा जाता है कि जिस समाज में जल का जितना ही ज्यादा अपव्यय होता है, उस समाज में हिंसा की संभावना भी उतनी ही अधिक हो जाती है। पानी का गहराता संकट हमारे लिए एक शिक्षा और चुनौती है कि हम अपने लिए और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए समय रहते कुछ न कुछ अवश्य ही करें। हम जानते हैं कि मानव शरीर में जो खरबों कोशिकाएँ होती हैं, वे परमाणुओं से ही मिलकर बनती हैं। हम यह भी जानते हैं कि अणु एवं परमाणु स्वयं में निर्जीव होते हैं, परन्तु ये निर्जीव अणु व परमाणु ही मिल कर जीव का निर्माण करते हैं। जीवों में संचालित सभी प्रकार की महत्वपूर्ण जैविक क्रियायें जल की उपस्थिति में ही संचालित हो पाती हैं। इसीलिए जल को 'प्रकृति का संचालक' भी कहा जाता है।

# यौन दुष्कर्म के मामले और राष्ट्रपति की चिंता

डॉ. विशेष गुप्ता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर की अस्पताल में दुष्कर्म के बाद हत्या की शर्मनाक घटना पर राष्ट्रपति की पीड़ा ध्यान देने योग्य है। उन्होंने बहुत दर्द भरे शब्दों में कहा कि मैं निराश और भयभीत हूं। 09 अगस्त को कोलकाता में हुई इस दर्दनाक घटना के बाद उनका यह पहला बयान है। उन्होंने स्पष्ट लिखा कि कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों पर इस तरह के अत्याचार की अनुमति नहीं देता। देश के साथ-साथ उन्होंने भी आक्रोशित होते हुए कहा कि जिस समय छात्र, डॉक्टर और नागरिक कोलकाता में प्रदर्शन कर रहे थे, ऐसे समय भी यौन पिपासु लोग अन्यत्र शिकार की तलाश में घात लगाए हुए थे। उन्होंने दिसम्बर 2012 में दिल्ली में निर्भया के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की चर्चा करते हुए कहा कि कुछ बच्चों ने मुझसे बड़ी मासूमियत से इस घटना के बारे में पूछा, मगर क्या उन्हें ऐसी घटना आगे घटित न होने का भरोसा दिया जा सकता है। निश्चित ही इस समय महिला उत्पीड़न से जुड़े मुद्दों पर समाज को ईमानदार और निष्पक्ष रहकर आत्ममूल्यांकन करने की महती आवश्यकता है। राष्ट्रपति महोदया के बयान के आलोक में यदि महिला उत्पीड़न से जुड़ी हालिया घटनाओं का मूल्यांकन करें तो ज्ञात होता है कि अभी हाल ही में कोलकाता में डॉक्टर के साथ किए गए यौन व्यभिचार से देशभर में फैले आक्रोश और प्रदर्शनों के बीच विधायिका की बदरंग तस्वीर भी सामने आयी है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की ओर से जारी हालिया रिपोर्ट में 16 वर्तमान सांसदों और 135 विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध में मुकदमें दर्ज हैं। इतना ही नहीं बल्कि दो सांसदों और 14 विधायकों पर दुष्कर्म के मामले चल रहे हैं। खास बात यह है कि बंगाल के जनप्रतिनिधि ऐसे मामलों का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं। उधर, हेमा समिति की रिपोर्ट के बाद केरल के फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों के शोषण का मामला आजकल चरम पर है। बदलापुर, महाराष्ट्र में अबोध बच्चियों का त्रासद प्रकरण, असम में 14 साल की बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं तो हमारी आंखों के सामने ही हैं। इनके अलावा प्रतिदिन समाचार पत्रों में यौन उत्पीड़न और बलात्कार जैसी घटनाओं की बड़ी संख्या से गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति महोदया की महिला उत्पीड़न को लेकर यह पीड़ा अनायास ही नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट बताती है कि यहां 16 मिनट में एक यौन दुष्कर्म घटना होती है। साथ ही प्रत्येक घण्टे महिलाओं के विरुद्ध 50 अपराध घटित होते हैं। इनमें 10 फीसदी से भी अधिक यौन दुष्कर्म की घटनाएं 18 साल से कम उम्र के नाबालिगों के साथ घटित होती हैं। कहना न होगा कि आज देश और प्रदेशों के विभिन्न हिस्सों में मासूम लड़कियों और महिलाओं के साथ होने वाली यौन उत्पीड़न की वारदातों ने देश व समाज को झकझोर कर रख दिया है। लगता है, निर्भया यौन उत्पीड़न की घटना के बाद समाज की सोच में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है। यही वजह है कि देश में यौन हिंसा की लगातार बढ़ती घटनाओं को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियायें सामने आ रही हैं। इतना ही नहीं ऐसी घटनाओं को रोकने के सभी उपाय निष्फल होते दिख रहे हैं। देश-विदेश के स्तर पर जो भी रिपोर्ट सामने आ रही है, उनमें भी यौन हिंसा के बढ़ते ग्राफ को लेकर चिंता साफ झलक रही है। कहना न होगा कि बलात्कार जैसी घिनौनी वारदातों से न केवल देश बल्कि विदेशों तक में अपनी साख को बट्टा लग रहा है। देश में ऐसी घटनाओं का लगातार बढ़ना निश्चित ही गंभीर चिंता का विषय है। यौन उत्पीड़न की अधिकांश घटनाएं आज कानूनविदों और समाजशास्त्रियों को नए सिरे से सोचने को मजबूर कर रही हैं। इस संदर्भ से जुड़े कुछ और आंकड़े खुलासा करते हैं कि भारत में यौन उत्पीड़न के मामले में लगभग 93 फीसदी दोषी पीड़िता के ही परिचित होते हैं। इन आंकड़ों की तकलीफ देय तस्वीर यह है कि 31 फीसदी यौन हिंसा और छेड़खानी में पीड़ित लड़कियों की उम्र 14 साल से भी कम रही है। मामला चाहे महिला छेड़छाड़ का हो अथवा यौन हिंसा का, इन सभी घटनाओं को अब किसी एक सामाजिक पैमाने से नहीं मापा जा सकता। आज इसके गहन अध्ययन के लिए एक बहुआयामी वस्तुनिष्ठ मापनियों की जरूरत महसूस की जा रही है। लेकिन फिर भी लगातार बढ़ती यौन हिंसा की इन घटनाओं पर कम से कम एक हालिया सामाजिक-मनोवैज्ञानिक दृष्टिपात करना जरूरी हो जाता है। इसमें कोई शक नहीं कि सूचना तकनीक ने आज की दुनिया में खलबली मचा दी है। गांवों से लेकर महानगरों तक मोबाइल और इंटरनेट ने बच्चों, युवाओं और महिलाओं के बीच अपना पूरा दखल बना लिया है। असल स्थिति यह है कि आप सड़क के किनारे तक से सस्ते से सस्ता इंटरनेट सिम खरीद कर पूरी दुनिया की अच्छी-बुरी सैर कर सकते हैं। यहां तक कि प्रचुर मात्रा में पोर्न साहित्य तक भी इन्हीं सिम में कैद है। कोलकाता से जुड़ी घटना में अभियुक्त भी इस पोर्न का ही आदी पाया गया है। दूसरी ओर संयुक्त परिवार के टूटने और छोटे परिवारों में मां-बाप और बच्चों के बीच बढ़ती दूरी और संवादहीनता ने टीनएजर्स के बीच सोशल मीड़िया के रुप में संवाद का एक नया नेटीजन पीयर ग्रुप पैदा कर दिया है। ध्यान रहे यह नेटीजन समूह ही उनके हर तरीके के सुख-दुख और अच्छे बुरे में पूरी तरह हमसाज है। मां-बाप को इस सच्चाई को समझने की फुर्सत ही नहीं है कि पोर्न उनके बच्चों के बेडरूम तक पहुंच गया है। उल्टे वे इस सच्चाई से दूर भाग रहे हैं। सच तो यह है कि पोर्न का प्रभाव ही यौन सबंधों के ढांचे को नई यौन प्रयोगशाला में रूपान्तरित कर रहा है। बढ़ते यौन आवेग के पीछे कहीं न कहीं इस मुद्दे को भी समाहित करना समीचीन होगा। दूसरी ओर इस संदर्भ में यह भी देखने में आ रहा है कि आज सबसे अधिक हिंसा उन लड़के-लड़कियों पर हो रही है, जो या तो घर से बाहर रह रहे हैं अथवा वे समाज के कमजोर सामाजिक-आर्थिक वर्ग से आते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 16 दिसम्बर को दिल्ली में हुए निर्भया काण्ड के पश्चात बलात्कार के दोषियों के प्रति कानून की सख्ती हुई है। इसके बाद भी बालिग के साथ-साथ कहीं-कहीं नाबालिग अपराधी तक अब बलात्कार के बाद पीड़िता की हत्या करके सबूत मिटाने पर आमादा हैं। सबसे दुखद यह है कि यौन उत्पीड़न से जुड़े मामलों में राजनीति और कानून से जुड़े पुरोधाओं के गैर जिम्मेदाराना बयानों ने भी इन व्यभिचारियों के हौसले बुलंद किये हुए हैं। कड़वा सच यह है कि यौन दुष्कृत्यों से जुड़ी इन सभी घटनाओं के पीछे छिपा वह सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण भी है, जिसे हमने अपनी खुली बाजारू अर्थव्यवस्था तथा जाति-धर्म पर आधारित सामाजिक वैमनस्य और दबंगई की राजनीति से तैयार किया है। उ

# शर्मनाक है नारी शोषण में पक्षपात

तनवीर जाफ़री

बंगाल की राजधानी महानगर कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में रात की ड्यूटी अंजाम दे रही एक जूनियर डॉक्टर के साथ 9 अगस्त को हुआ बलात्कार तथा बलात्कार के बाद उसी जूनियर डॉक्टर की बेरहमी से की गयी हत्या का मामला इन दिनों देश के सबसे ज्वलंत मुद्दे के रूप में मीडिया में छाया हुआ है। इस बलात्कार व हत्या के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई जांच भी शुरू हो चुकी है। उस समय यह मामला और भी हाई प्रोफ़ाइल हो गया जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत दिनों पीटीआई को दिए अपने साक्षात्कार में इसी कांड के सम्बन्ध में यह कह दिया कि मैं बहुत निराश और भयभीत हूं। बेटियों के ख़िलाफ़ अपराध बर्दाश्त नहीं। राष्ट्रपति ने कहा, बस अब बहुत हुआ। इसके अतिरिक्त भी राष्ट्रपति महोदया ने इसी विषय पर और भी बहुत सी बातें कर हमारे समाज की बेटियों और बहनों के साथ हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर गहन चिंता ज़ाहिर की। उन्होंने पूरे समाज का आवाह्न किया कि सब मिलकर इस विकृति का सामना करें ताकि इसे शुरुआत में ही ख़त्म किया जा सके। राष्ट्रपति महोदया द्वारा कोलकता रेप व हत्याकांड का ज़िक्र अपने इंटरव्यू में करने के बाद यह चर्चा भी सुनाई देने लगी है कि क्या बंगाल में इसी शर्मनाक काण्ड की आड़ में निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर वहां राष्टपति शासन भी लगाया जा सकता है ? इससे पहले भी बंगाल में संदेशखाली की कुछ महिलाओं ने कथित तौर पर यह आरोप लगाया था कि मुख्य मंत्री ममता बनर्जी के क़रीबी तृणमूल नेताओं द्वारा प्रशासन का डर दिखाते हुए उन लोगों पर अत्याचार किया गया। उनकी ज़मीन छीन कर उस पर क़ब्ज़ा कर लिया गया। विरोध करने पर हमले किये गये। ज़मीन लीज़ पर लेकर पैसे भी नहीं दिये गये, पैसे देने का वादा करने के बावजूद पैसे मार लिये गये और शारीरिक शोषण भी किया गया,आदि आदि। हालांकि इसी मामले में तृणमूल नेताओं पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली तीन महिलाओं में से दो ने केस वापस भी ले लिया था। तृणमूल कांग्रेस ने 'स्टिंग ऑपरेशन' के एक वीडियो में दावा किया था कि बीजेपी के स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे काग़ज़ पर दस्तख़त करवाए थे और बाद में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध बलात्कार व यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवाने में इन काग़ज़ों का प्रयोग किया गया था। इस साज़िश के पर्दाफ़ाश होने के बाद यह मामला जितनी तेज़ी से मीडिया में उछाला गया था उतनी ही तेज़ी से यह दबा भी दिया गया। संदेशखाली की घटना के बाद भी बंगाल में राष्ट्रपति शासन की चर्चा सुनाई देने लगी थी। बलात्कार हत्या जैसे घृणित अपराध निश्चित रूप से कहीं भी हों इसकी घोर भर्त्सना की जानी चाहिये। शासन व प्रशासन व विधायिका को मिलकर ऐसे उपाय ढूंढने चाहिये जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हों और वे ऐसे अपराधों की जुरअत ही न कर सकें। साथ ही समाज को अपने बच्चों को भी शिक्षित करना चाहिये। परन्तु अफ़सोस तो इस बात का है कि हमारे देश में बलात्कार व हत्या जैसे घिनौने अपराध को लेकर भी राजनीति की हांडी चढ़ा दी जाती है। राज्य में सरकार किस दल की है,यह देखकर बलात्कार का विरोध किया जाता है। और इससे भी शर्मनाक यह कि बलात्कार पीड़िता का धर्म व उसकी जाति देखकर भी मामले का विरोध व समर्थन निर्धारित किया जाता है। आरोपी / अपराधी के रसूख़ के अनुसार भी उसके साथ बर्ताव किया जाता है। यहाँ तक कि यदि बलात्कार व हत्या का अपराधी बड़ी संख्या में अपने अनुयायी रखता है तो उस पर तो शासन की विशेष कृपा बरसते देखी जा सकती है। ख़ासकर चुनावी बेला में तो ऐसे सफ़ेदपोश अपराधियों को विशेष पेरोल तक दे दी जाती है। याद कीजिये गुजरात में 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों के दौरान बिलक़ीस बानो व उसकी मां के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था तथा उसी समय उनके सामने उन्हीं के परिवार के सात सदस्यों की हत्या भी कर दी गयी थी। इस लोमहर्षक जुर्म में महाराष्ट्र उच्च न्यायालय द्वारा 11 अपराधियों को आजीवन कारावास की सज़ा दी गयी थी। परन्तु मई 2022 में गुजरात सरकार ने अच्छे चरित्र के आधार पर दोषियों की सज़ा में छूट देते हुये स्वतंत्रता दिवस के दिन इनको रिहा कर दिया था। एक तरफ़ तो भारत सहित पूरे विश्व में गुजरात सरकार के इस क़दम की घोर आलोचना हुई थी। तो दूसरी तरफ़ इन हत्यारे बलात्कारियों को मंच पर सुशोभित किया जाने लगा था। इन्हें फूल माला पहनाकर इन हत्यारे बलात्कारियों का स्वागत किया जा रहा था। इसी आलोचना के दौरान एक विश्व हिन्दू परिषद् के पक्षकार विद्वान लेखक ने इन हत्यारे बलात्कारियों का पक्ष लेते हुये अपने आलेख को इस आशय के शीर्षक से सजाया था कि -आख़िर हिन्दुओं को भी तो जीने का अधिकार है ? यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयन का जिन्होंने इस मामले में संज्ञान लेते हुये - कहा कि मई 2022 में गुजरात सरकार ने दोषियों की सज़ा में छूट देकर तथ्यों की उपेक्षा की थी। और इसी टिप्पणी के साथ उन्होंने सभी दोषियों को दो हफ़्ते के भीतर जेल प्रशासन के पास हाज़िर होने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उसी समय यह भी कहा था कि गुजरात सरकार के पास सज़ा में छूट देने और इस बारे में कोई फ़ैसला लेने का अधिकार नहीं है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह अपराधी पुनः जेल जा सके थे और इन हत्यारे बलात्कारियों के हमदर्दों को अपनी मुंह की खानी पड़ी थी। इसी तरह जनवरी 2018 के कठुआ,जम्मू के 8 वर्ष की मासूम असिफ़ा बानो के सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के समय भी बलात्कार समर्थक इन बेशर्मों चेहरा बेनक़ाब हुआ था। इस घृणित अपराध का साज़िशकर्ता एक रिटायर्ड राजस्व अधिकारी था जोकि उस समय एक स्थानीय मंदिर का पुजारी भी था जहाँ कई दिनों तक उस बच्ची के साथ बलात्कार किया जाता रहा। इस घटना को भी धार्मिक रंग देते हुये स्वयं को हिन्दू हितैषी कहने वाले लोग बलात्कारियों के पक्ष में केवल खड़े ही नहीं हुये बल्कि उनके समर्थन में जुलूस निकाले, प्रदर्शन किये और हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे। मणिपुर में महिलाओं के साथ क्या कुछ नहीं हुआ। पूरा विश्व उस घिनौनी ख़बर से हिल गया था जबकि सैकड़ों की भीड़ ने वर्ग विशेष की लड़कियों से नग्न परेड कराई और उनके साथ सामूहिक बलात्कार किये गये। ऐसे अनेक घटनायें मणिपुर में घटीं। उत्तरांचल,मणिपुर राजस्थान,मध्य प्रदेश कहाँ नहीं हो रहा है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# एमबीए हॉट सीट

## यूं दें प्रश्नों का जवाब

**दुनियाभर में बिजनेस स्कूलों में प्रवेश के लिए निश्चित प्रवेश प्रक्रिया अपनाई जाती है, जो महज प्रवेश परीक्षा और कार्यअनुभव तक सीमित नहीं होती। एडमिशन टीम को ऐसे उम्मीदवारों की तलाश होती है, जो नई सोच रखते हैं और रटे-रटाए सिद्धांतों को अपनाने की बजाए अपनी सोच और कार्य के बलबूते पहचान बनाना चाहते हैं। एमबीए करने के इच्छुकों का लगभग पिछले चार साल से निरीक्षण कर रहा हूं। मैंने पाया कि काफी संख्या में उम्मीदवार इंटरव्यू प्रक्रिया के लिए पूरी तरह तैयार नहीं होते। यहां तक कि आधारभूत प्रश्नों की भी सही तैयारी नहीं होती। हालांकि आवेदन और निबंध लेखन के स्तर पर फोकस की कमी से पार पाया जा सकता है, पर इंटरव्यू के दौरान तैयारी में कमी को छुपाना मुश्किल होता है। इसलिए यहां चार प्रमुख प्रश्न दिए जा रहे हैं, जिन्हें इंटरव्यू पैनल के सम्मुख खुद को प्रस्तुत करने से पहले उम्मीदवारों को स्वयं से पूछना चाहिए।**

स्कूलों में प्रवेश के लिए इंटरव्यू प्रक्रिया चल रही है तो कहीं जल्द ही शुरू होने वाली है। कुछ साल नौकरी में बिताने के बाद अचानक एमबीए करने का निर्णय कई तरह के सवाल आपके सामने खड़े करता है, इन्हीं प्रमुख प्रश्नों के जवाब पर एक नजर डाल रहे हैं

दुनियाभर में बिजनेस स्कूलों में प्रवेश के लिए निश्चित प्रवेश प्रक्रिया अपनाई जाती है, जो महज प्रवेश परीक्षा और कार्यअनुभव तक सीमित नहीं होती। एडमिशन टीम को ऐसे उम्मीदवारों की तलाश होती है, जो नई सोच रखते हैं और रटे-रटाए सिद्धांतों को अपनाने की बजाए अपनी सोच और कार्य के बलबूते पहचान बनाना चाहते हैं। एमबीए करने के इच्छुकों का लगभग पिछले चार साल से निरीक्षण कर रहा हूं। मैंने पाया कि काफी संख्या में उम्मीदवार इंटरव्यू प्रक्रिया के लिए पूरी तरह तैयार नहीं होते। यहां तक कि आधारभूत प्रश्नों की भी सही तैयारी नहीं होती। हालांकि आवेदन और निबंध लेखन के स्तर पर फोकस की कमी से पार पाया जा सकता है, पर इंटरव्यू के दौरान तैयारी में कमी को छुपाना मुश्किल होता है। इसलिए यहां चार प्रमुख प्रश्न दिए जा रहे हैं, जिन्हें इंटरव्यू पैनल के सम्मुख खुद को प्रस्तुत करने से पहले उम्मीदवारों को स्वयं से पूछना चाहिए।

### अब मेरे लिए एमबीए करना क्यों जरूरी है?

कार्यस्थल पर 3 से 7 साल बिताने के बाद अक्सर उम्मीदवारों को एमबीए करना तर्क संगत कदम लगता है। पर क्या वो इसकी वजह जानने का प्रयास करते हैं? क्या उनके प्रोफाइल में कुछ कमी है जो कि उनकी भावी प्रगति को रोक रही है? क्या वे किसी ऐसे करियर में जाना चाह रहे हैं, जहां मैनेजमेंट की डिग्री उनके लिए फायदेमंद होगी? क्या उनके लिए बी-स्कूल नेटवर्क में शामिल होना अधिक महत्वपूर्ण होगा? कारण कोई भी हो, लेकिन इन पर विचार करना जरूरी है। ऐसे उम्मीदवार जो स्पष्ट रूप से जानते हैं कि अपनी अपनी एमबीए डिग्री से वे क्या चाहते हैं-स्किल्स सेट, एक्सपोजर, जानकारी, नेटवर्क आदि की स्पष्टता उम्मीदवारों के लिए बेहतर रहती है।

इंटरव्यू स्टेज में यह प्रश्न अक्सर प्रारंभ में पूछा जाता है। ऐसा कोई उत्तर नहीं दें, जिसको समझना मुश्किल हो, एमबीए करना मेरे बिजनेस को आगे बढ़ाएगा, एमबीए करने से करियर को प्रगति मिलेगी, एमबीए करने से मुझे लीडरशिप और मैनेजमेंट स्किल्स को समझने में मदद होगी आदि। ध्यान रखें, सिर्फ एमबीए करना यह सब पाने की गारंटी नहीं है। यह सोचना कि एमबीए करने से आप लीडर बन जाएंगे, वैसा ही है जैसा कि बल्ले को पकड़ने मात्र से सचिन तेंदुलकर बनना।

परमीत कामत, हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के पूर्व छात्र, जिन्होंने वर्ष 2005 में एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम ज्वॉइन किया था। सेल्स में पांच साल काम करने के बाद वह एक ऐसी भूमिका की ओर आगे बढ़ रहे थे, जहां ग्रोथ स्ट्रेटजी और लीडरशिप प्रोग्राम की जानकारी होना जरूरी था। एक विकल्प था कि वे उसी कंपनी में समान विभाग में काम करते रहते, पर इससे उनका इंडस्ट्री एक्सपोजर रुक जाता। वहीं दूसरी जगह नौकरी तलाशने में समान सेल्स प्रोफाइल में जॉब मिलने की अधिक संभावना होती।

आईएसबी के छात्रों से मिलकर कामत ने सोचा कि एमबीए करना सार्थक रहेगा। उन्होंने पाया कि आईएसबी सभी मानकों पर अग्रणी है। एक वर्षीय यह प्रोग्राम करके वे इंडस्ट्री में तेजी से वापसी कर सकते हैं।

### एमबीए करने के बाद मैं क्या करना चाहता हूं?

यह एक उलझाव पैदा करने वाला प्रश्न है, जिस पर अक्सर उम्मीदवार गलती कर बैठते हैं। प्रत्येक उम्मीदवार सबसे अच्छी ऑफ कैंपस जॉब चाहता है, प्रमुख रूप से कंसल्टिंग और बैंकिंग उनकी प्राथमिकता होती है। पर कुछ ही जानते हैं कि जिस इंडस्ट्री में वे जा रहे हैं वहां उनकी भूमिका क्या होगी। एमबीए करने का निर्णय अधिकतर अधिक वेतन या अच्छे ब्रांड में प्रवेश के लिए होता है। पर यहां व्यावहारिक और वास्तविक अपेक्षाएं रखना जरूरी होगा। क्या आप आईटी इंडस्ट्री में दस साल काम करने के बाद इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में जाना चाहेंगे? एमबीए का सबसे अधिक फायदा उनको होता है, जो वापस उस इंडस्ट्री में जाते हैं, जहां से आए थे।

### मेरे लिए यह स्कूल क्यों बेहतर है?

बी-स्कूल की अनुकूलता एक ऐसा मापक है, जिसे प्रवेश के इच्छुकों में सबसे कम महत्व दिया जाता है। जबकि यह जरूरी है। यदि आप किसी स्कूल के पूर्व छात्र अथवा प्रशासन से बात करेंगे, तो आपको स्कूल के संबंध में काफी जानकारी मिल जाएगी। बेहतर होगा यदि छात्र इस प्रक्रिया को आवेदन से पहले जानने का प्रयास करें। पिछले कुछ समय में विशेषज्ञता पर जोर दिया जाने लगा है। इससे एक तरह की सोच रखने वाले लोग एक जगह इकट्ठे होते हैं। अत जिस स्कूल में इंटरव्यू देने जा रहे हैं, वहां के विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों को समझें। यदि आप उद्यमी हैं या वेंचर कैपिटल स्पेशलिस्ट हैं, तो आपको अपनी प्राथमिकताओं में स्टैनफोर्ड का चुनाव करना चाहिए। कोलंबिया बिजनेस स्कूल का चुनाव करना उन लोगों के लिए बेहतर होगा जो वित्त कंसल्टिंग से जुड़े हैं। मेरा अनुभव बताता हैं कि अधिकतर उम्मीदवार अपने स्कूल का चुनाव पहले करते हैं और दूसरे प्रश्नों का जवाब बाद में तलाशते हैं।

### स्कूल की मुझसे क्या अपेक्षाएं हैं?

- बिजनेस स्कूल इस तथ्य को चाहे कितना भी नकारें, लेकिन आजकल वह उन्हीं प्रोफाइलों की तलाश में रहते हैं जो अपेक्षाकृत 'आसान' हों। इस हिसाब से ऐसा प्रतीत होता है कि स्कूल प्रतिवर्ष एक समान लोगों की तलाश में रहते हों। इसलिए अपनी स्थिति सुदृढ़ करना जरूरी होगा।
- पुराने विद्यार्थी समूची प्रक्रिया से गुजर चुके हैं, और जानते हैं कि तथ्यों को किस तरह प्रस्तुत करना चाहिए। पूर्व विद्यार्थी आपके प्रोफाइल को एक विद्यार्थी की जरूरत के हिसाब से बनाने में मदद कर सकते हैं - वह स्कूल में क्या करने और क्या न करने और इंटरव्यू में अपनी प्रस्तुति बेहतर करने में मदद कर सकते हैं। इन पहलुओं को अनदेखा न करें।
- न्यू हैंप्शायर के टक बिजनेस स्कूल के 2010 बैच के विद्यार्थी शांतनु माथुर विभिन्न बिजनेस स्कूलों की जरूरतों को परखने के अपने अनुभव के बारे में बताते हैं। माथुर एक ऐसे परिवार से जुड़े हैं जो कंसल्टेशन का काम करता था। इसलिए उन्हें आभास था कि अलग बिजनेस स्कूलों के इंटरव्यू के लिए उन्हें विभिन्न तरह की तैयारी नहीं करनी होगी। वह कहते हैं, 'अपनी सूची के शीर्ष स्कूलों के पूर्व विद्यार्थियों से बात करने के बाद ही मुझे अहसास हो गया था कि मुझे अपने जवाब कैसे तैयार करने होंगे। उदाहरण के लिए, उनमें से एक ने सुझाया कि एक कंसल्टेंट के तौर पर मुझे अपनी विश्लेषण क्षमता को उभारना होगा क्योंकि उनका स्कूल इसी गुण को परखता है। मुझे सॉफ्ट स्किल्स और क्लाइंट रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना चाहिए।' (अंकुर वरिकु इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के 2006 के बैच के विद्यार्थी हैं)

# अच्छे नंबर लाना है तो प्लानिंग से करें पढ़ाई

**सीबीएसई समेत विभिन्न परीक्षा बोर्ड समय-समय पर परीक्षा पैटर्न में बदलाव करते रहते हैं और इनसे संबंधित दिशा-निर्देश उनकी वेबसाइट या स्कूलों के माध्यम से छात्रों तक पहुँचाए जाते हैं। बेहतर यही होगा कि आपको इस संबंध में ताजी जानकारी हो। इन बदलावों में विभिन्न विषयों के लिए निर्धारित अंकों के मान में परिवर्तन, सिलेबस में कांट छांट आदि का खासतौर पर जिक्र किया जा सकता है।**

### ज्यादा पढ़ाई भी नुकसानदायक

हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार ही पढ़ाई करनी चाहिए। एकाएक अवास्तविक तरीके से 16 या 18 घंटों की पढ़ाई का शेड्यूल बनाना कोई समझदारी नहीं है। 50 मिनट से एक घंटे की एक बार में लगातार समबाह है। इससे ज़्यादा जबरदस्ती पढ़ाई करने से कुछ पल्ले नहीं पड़ता। इसीलिए मानसिक थकान से बचते हुए छोटे ब्रेक लेना आवश्यक होता है।

### साप्ताहिक शेड्यूल बनाना

व्यावहारिक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पढ़ाई का साप्ताहिक टाइम टेबल सबसे पहले बना लें। सोने के 8 घंटे के समय को अलग रखते हुए कम से कम 10 से 12 घंटे का पढ़ने का समय (बीच में छोटे-छोटे ब्रेक के साथ) निर्धारित कर लें। समूचे सिलेबस को बोर्ड से पहले बचे समय के मुताबिक, बांट कर यह शेड्यूल तैयार करें। हर सप्ताह का लक्ष्य इस तरह से फिक्स करते जाएं। पूरी कोशिश करें कि यह लक्ष्य हर हालत में अवश्य पूर्ण हो। इसमें सप्ताह के दौरान की पढ़ाई को दुहराने के समय का प्रावधान जरूर होना चाहिए।

### महत्वपूर्ण तथ्यों को पहले देखें

किसी भी चैप्टर की पढ़ाई करने का यह तरीका सही नहीं कहा जा सकता कि समूचे चैप्टर को शुरू से अंत तक आप पढ़ जाएं और बीच-बीच में याद करने की कोशिश भी करें। इसका ज्यादा प्रभावी तरीका यह होगा कि आप शुरुआत से पहले चंद मिनट सरसरी निगाह से उक्त चैप्टर का परिचय, विभिन्न उपशीर्षक और प्रत्येक पेराग्राफ की शुरुआती पंक्तियाँ और अंत में दिया गया सार पढ़ लें। इससे आप उक्त विषय से स्वयं को पहले से परिचित कर सकेंगे। फिर जब आप शुरू से पढेंगे तो ज्यादा परेशानी का अनुभव नहीं करेंगे।

### नोट्स कैसे लिखें

हमेशा नोट्स अपनी भाषा में लिखें। किसी भी टॉपिक के संबंध में संपूर्ण जानकारी दें। प्रयास करें कि भाषा और लेखन शैली की दृष्टि से परीक्षा की कॉपी में लिखने के सामान हो ताकि पुनरावृति के समय आपको इसके अलावा कुछ और देखने की जरूरत नहीं पड़े। रफ नोट्स बनाने से कोई फायदा नहीं।

### विषय का चुनाव करने से पहले

हमेशा ऐसे विषय से शुरुआत करें जो आपको सबसे कठिन लगता हो। चूँकि फ्रेश माइंड से पढ़ाई की शुरुआत होगी इसलिए मुश्किल टॉपिक समझने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी।

# मौसम के मीटियरोलॉजिस्ट

**धरती और उसके उपग्रहों का अध्ययन, उनकी क्रिया और उनके ट्रैक में बदलाव को दर्ज करके मौसम का अनुमान लगाने का कार्य मीटियरोलॉजिस्ट ही करते हैं। वे विशाल भौगोलिक क्षेत्र तक विस्तारित मौसम के मानचित्रों का अध्ययन करते हैं और मौसम उपग्रहों के आंकड़े हासिल कर उनसे मौसम का अनुमान लगाते हैं।**

मौसम की अनिश्चितताओं ने सदियों से लोगों को प्रभावित किया है। मौसम के व्यवहार पर कई कारणों का असर होता है। धरती के वातावरण के संपर्क में आने वाली हर चीज का प्रभाव मौसम पर पड़ता है जिसकी वजह से विश्वभर में भिन्न-भिन्न जगहों पर भिन्न-भिन्न मौसम दर्ज किया जाता है। वातावरण पर पड़े असर और मौसम के बदलाव के अध्ययन को मीटियरोलॉजी कहा जाता है। मीटियरोलॉजिस्ट (मौसम विशेषज्ञ) मौसम का अनुमान लगाकर भविष्यवाणी करते हैं।

धरती और उसके उपग्रहों का अध्ययन, उनकी क्रिया और उनके ट्रैक में बदलाव को दर्ज करके मौसम का अनुमान लगाने का कार्य मीटियरोलॉजिस्ट ही करते हैं। वे विशाल भौगोलिक क्षेत्र तक विस्तारित मौसम के मानचित्रों का अध्ययन करते हैं और मौसम उपग्रहों के आंकड़े हासिल कर उनसे मौसम का अनुमान लगाते हैं।

एक मीटियरोलॉजिस्ट तापमान, हवा, आर्द्रता,

नमी और हवाई जहाजों के उड़ने की स्थितियों का पूर्वानुमान करते हैं। गणित समूह से स्नातक करने के उपरांत किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मीटियरोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएशन कर सकते हैं। मीटियरोलॉजिकल विभाग में ज्वॉइन करने के बाद भी आपको मीटियरोलॉजी में ट्रेनिंग दी जाती है।

मीटियरोलॉजी का कोर्स करने के बाद आप विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकते हैं। एक मीटियरोलॉजिस्ट वेदर फॉरकास्ट या क्लाइमेटोलॉजिस्ट के रूप में काम करते हैं। फिजिकल मीटियरोलॉजिस्ट रिसर्च सेंटर और इंडस्ट्रियल मीटियरोलॉजिस्ट धुएं पर नियंत्रण और वायु प्रदूषण आदि पर कार्य कर सकते हैं। ये कृषि योजना पर भी काम करते हैं।

### इन्हें कुछ विशेष जगहों पर विशेष कार्य के लिए नियुक्त किया जाता है

- मौसम उपग्रहों, मौसम रडार और मौसम मानचित्रों द्वारा दिए गए संकेतों को पहचानकर मौसम का पूर्वानुमान करना।
- सैनिक बल में पायलट को मौसम संबंधित जानकारियों पर प्रशिक्षण देने।
- बंदरगाहों पर प्रतिकूल मौसम में जहाजों को सही दिशा बताने।
- जानकारियों को एकत्रित कर चार्ट्स और मौसम का नक्शा बनाना।
- कई बार खराब मौसम जैसे तूफान, बाढ़ की तीव्रता व सुनामी जैसी आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना।
- एग्रीकल्चरिस्ट्स, शिपिंग और मरीन क्षेत्र के साथ-साथ मीडिया और आम लोगों के लिए मौसम संबंधी जानकारियां प्रस्तुत करना।
- योजनकारों के साथ मिलकर योजना, विद्युत, सिंचाई, कृषि व जल प्रबंधन के क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण और उपयोगी योजनाएँ बनाना आदि।

# गंभीर ने अपनी पसंदीदा टीम में रोहित, बूमराह को शामिल नहीं किया

## विराट , सचिन , सहवाग व द्रविड़ को मिली जगह

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह टीम घोषित की है। हैरानी की बात ये है कि गंभीर ने इसमें रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को शामिल नहीं किया है। टीम में विराट कोहली के अलावा पूर्व बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग , सचिन तेंदुलकर और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी शामिल किया गया है। गंभीर ने इसमें पारी की शुरुआत के लिए वीरेंद्र सहवाग के साथ स्वयं अपने को रखा है। विराट इसमें 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। गंभीर को हमेशा ही लीक से हटकर चलने के लिए जाना जाता है। उनकी खूबी है कि है कि वो जो भी करते हैं दिल से करते हैं और जो सोचते हैं वो बिना किसी डर के साफ बोल देते हैं। ऐसा ही उनकी इस टीम को देखकर भी अंदाज होता है। इसमें विराट कोहली को तो जगह मिली लेकिन रोहित बाहर रह गये। गंभीर ने इस टीम में अनिल कुंबले और आर अश्विन जैसे दो स्पिनर हैं जबकि तेज गेंदबाजी के लिए जहीर खान और ऑलराउंडर इरफान पठान को रखा है। भी ऑल टाइम इलेवन में नहीं हैं।

गंभीर का एक वीडियो भी आया है। इसमें उनको जब अपनी पसंदीदा टीम का चयन करने को कहते हैं तो वह अंतिम ग्यारह में सहवाग के साथ स्वयं ओपनर के तौर पर रखा है। गंभीर ने कहा, मैं और सहवाग बतौर सलामी बल्लेबाज टीम में होंगे। द्रविड़, सचिन चौथे नंबर पर जबकि विराट कोहली 5वें स्थान पर उतरेंगे। युवराज सिंह छठे और महेंद्र सिंह धोनी सातवें नंबर पर उतरेंगे। अनिल कुंबले 8, आर अश्विन 9वें नंबर पर, इरफान पठान को मैं 10वें स्थान पर रखना चाहूंगा और जहीर खान अंत में उतरेंगे।

### गौतम गंभीर की ऑल टाइम इंडिया इलेवन

गौतम गंभीर, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, युवराज सिंह, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), अनिल कुंबले, आर अश्विन, इरफान पठान और जहीर खान

# धोनी पर भड़के युवराज के पिता योगराज, धोनी ने मेरे बेटे का करियर छोटा किया

**मुम्बई।** पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने भारतीय टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लेकर एकबार फिर एक विवादास्पद बयान दिया है। योगराज ने कहा है कि धोनी के कारण ही युवराज का क्रिकेट करियर 4-5 साल छोटा हो गया था। योगराज ने कहा कि क्रिकेट के लिए अपनी उपलब्धियों को देखते हुए उनके बेटे युवराज सिंह को 'भारत रत्न' दिया जाना चाहिये। योगराज ने कहा कि उनका बेटा युवराज भारतीय क्रिकेट में अपने बेहतरीन योगदान के लिए 'भारत रत्न' का अधिकारी है। उन्होंने कहा कि उसे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए। योगराज ने कहा कि युवराज ने जिस तरह से कैंसर से जंग लड़कर टीम में वापसी की। उसे देखते हुए उसको यह यह सम्मान दिया जाना चाहिये। योगराज ने इस दौरान धोनी पर अपनी भड़ास निकाली। योगराज ने कहा कि युवराज उस समय राष्ट्रीय टीम में और अधिक योगदान दे सकते थे क्योंकि वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर था। योगराज ने इससे पहले भी धोनी की आलोचना करते हुए कहा था कि जब वह धोनी की कप्तानी में खेलता था तो उसकी

राह में बाधाएं डाल दी जाती थीं। योगराज ने कहा, ' मैं धोनी को माफ नहीं करूंगा। उसे स्वयं शीशे में देखना चाहिए। वह बतौर क्रिकेटर शानदार था, जिसे मैं सैल्यूट करता हूं पर जो कुछ उसने मेरे बेटे साथ किया उसके लिए उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता।' योगराज ने कहा, ' उस शख्स ने मेरे बेटे की लाइफ बर्बाद की, जो चार-पांच साल और खेल सकता था। मैं चैलेंज करता हूं कि युवराज जैसा बेटा कोई पैदा करके दिखाए। यहां तक की गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग भी कह चुके हैं कि उन्होंने कभी युवराज जैसा खिलाड़ी नहीं देखा था। उसने कैंसर से लड़ते हुए देश के लिए विश्व कप जीता, इसलिए उसे भारत रत्न मिलना चाहिये।' युवराज और धोनी ने भारत के लिए एक साथ कुल 273 मैच खेले थे। इस दौरान दोनो के बीच ही कई अहम साझेदारियां हुईं थीं।

# 5 सितंबर को केबीसी में नजर आयेंगे मनु और अमन

**मुम्बई।** पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और पहलवान अमन सहरावत अब बॉलीवुड महानायक अमिताभ बच्चन के गेम शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में नजर आयेंगे। ये दोनो ही केबीसी के 16वें सीजन में दिखाई देंगे। कौन बनेगा करोड़पति 16 के निर्माताओं ने अपने ताजा प्रोमो में ये घोषणा की है। इसमें कहा गया है कि मनु भाकर और अमन के ओलंपिक पदक जीतने के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा। 5 सितंबर को प्रसारित होने वाले विशेष एपिसोड में प्रशंसका मनु और अमन को देख सकेंगे।

इसी को लेकर सोनी टीवी के सोशल मीडिया हैंडल पर मनु और अमन का एक वीडियो भी साझा किया गया है। इसमें कहा गया है कि विश्व में विजय ध्वज लहराने वाले,ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और अमन सहरावत आ रहे हैं केबीसी में। कौन बनेगा करोड़पति, 05 सितंबर, रात 9 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर दिखेंगा। साथ ही इस वीडियो में मनु और अमन के साथ केबीसी 16 के मंच पर होने वाले जश्न की एक झलक भी दिखेगी।

# भारत के निषाद ने पैरालंपिक खेलों में रजत जीता

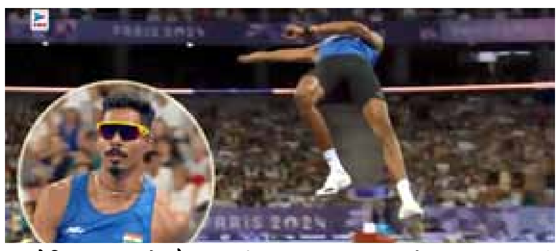

**पेरिस।** भारत के पैरा एथलीट निषाद कुमार ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में रजत पदक जीता है। निषाद ने पुरुषों की टी47 ऊंची कूद स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल करते हुए ये पदक जीता है। इसी के साथ ही पेरिस पैरालंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य के साथ भारत के कुल पदकों की तादद सात हो गयी। रविवार देर रात हुए मुकाबले में निषाद ने पुरुषों की टी47 ऊंची कूद स्पर्धा में अपनी 2.04 मीटर की छलांग के साथ ही पेरिस पैरालंपिक खेलों का रजत पदक अपने नाम किया। वहीं अमेरिका के रॉडरिक टाउनसेंड-रॉबट्र्स ने 2.08 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। जबकि रूस के जॉर्जी मार्गिएव ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं भारत की ही प्रीती पाल ने पैरा ओलंपिक्स में दूसरा कांस्य पदक जीता है। प्रीति ने पैरालंपिक की अलग-अलग स्पर्धाओं में ये पदक जीते हैं। प्रीती ने दो सौ मीटर टी-35 इवेंट में कांस्य पदक जीता है। इससे पहले उन्होंने दो सौ मीटर टी-35 इवेंट में भी एक कांस्य जीता था।

# धोनी ने विराट को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हे विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया है। धोनी की कप्तानी में विराट ने लंबे समय तक खेला था और उनके संन्यास के बाद कप्तानी भी बने थे। विराट 35 साल की उम्र में भी अपने जबरदस्त प्रदर्शन और फिटनेस के कारण विश्व स्तर पर छाये हुए हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में धोनी ने विराट की जमकर प्रशंस की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें धोनी ने हंसते हुए कहा, हम 2008 या 09 से खेल रहे हैं जबकि दोनो की उम्र में अंतर है। इसलिए मुझे नहीं पता कि मैं खुद को बड़ा भाई या सहकर्मी या जो भी नाम दूं, कहूं।

उन्होंने कहा, पर आखिरकार, हम सहकर्मी रहे हैं, आप जानते हैं जिन्होंने बहुत लंबे समय तक भारत के लिए खेला है। जब विश्व क्रिकेट की बात आती है तो वह सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं। विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से आकल दूर हैं, की टी20 विश्व कप जीत के बाद कोहली श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल हुए थे। वह वर्तमान में लंदन में हैं, परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और उनके बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट में खेलते हुए दिखने की संभावना है। वहीं गत वर्ष सीएसके की कप्तानी छोड़ने वाले धोनी के भी आईपीएल 2025 के सत्र में खेलने की संभावनाएं जतायी जा रही हैं।

## व्यापार

# घरेलू शेयर बाजार की धमाकेदार शुरुआत, ओपनिंग के साथ ही बना मजबूती का नया रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्डतोड़ तेजी का सिलसिला सोमवार को भी जारी है। शेयर बाजार के दोनों सूचकांकों ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बनाते हुए कारोबार की शुरुआत की। हालांकि बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में मामूली गिरावट भी आई। इसके बावजूद दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में कारोबार करते नजर आ रहे हैं। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.28 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, हीरो मोटोकॉर्प, आईटीसी और बजाज ऑटो के शेयर 2.24 प्रतिशत से लेकर 1.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और ओएनजीसी के शेयर 1.58 प्रतिशत से लेकर 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से

हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 359.71 अंक उछल कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 82,725.28 अंक के स्तर पर खुला। हालांकि थोड़ी ही देर में खरीदारों ने दोबारा लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 234.32 अंक की मजबूती के साथ 82,600.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 97.70 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,333.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक में भी मामूली गिरावट आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों में मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक उतार-चढ़ाव का सामना करने के बावजूद लगातार हरे निशान में ही बना रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 64.60 अंक की मजबूती के साथ 25,300.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 231.16 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,365.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 83.95 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,235.90 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

# लगातार चौथे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी गिरी कीमत

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार चौथे दिन मामूली गिरावट नजर आ रही है। आज की गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये से लेकर 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67,090 रुपये से लेकर 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आई है। भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 86,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत

पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,080 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# भारत की विकास संभावनाएं उज्ज्वल, लेकिन वित्तीयकरण से बचना होगा : डॉ. नागेश्वरन

**मुंबई/नई दिल्ली।** मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को यहां कहा कि भारत मजबूत वैश्विक आर्थिक विकास के लिए बेहतर स्थिति में है, लेकिन देश को वित्तीयकरण के प्रति सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि, यह 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। डॉ. नागेश्वरन ने मुंबई में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) फाइनेंसिंग 3.0 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में सार्वजनिक नीति और आर्थिक परिणामों को प्रभावित करने वाले एक बड़े वित्तीय बाजार के जोखिमों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं सबसे उज्ज्वल वैश्विक संभावनाओं में से एक हैं। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने

कहा कि वित्तीय क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों के बीच बड़ा अंतर यह है कि इस क्षेत्र में जो कुछ भी होता है, उसके परिणाम पूरी अर्थव्यवस्था और उससे परे तक पहुंचते हैं, इसलिए इसके कंधों पर जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण भार होता है। डॉ. नागेश्वरन ने कहा कि भारत का शेयर बाजार पूंजीकरण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 140 फीसदी है। भारतीय वित्त क्षेत्र की रिकॉर्ड लाभप्रदता तथा बाजार पूंजीकरण का उच्च स्तर या सकल घरेलू उत्पाद के प्रति बाजार पूंजीकरण का अनुपात एक अन्य कारक उत्पन्न करता है जिसकी गहन जांच की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब बाजार अर्थव्यवस्था से बड़ा हो जाता है तो यह स्वाभाविक है। लेकिन जरूरी नहीं कि यह उचित हो कि बाजार के विचार तथा प्राथमिकताएं सार्वजनिक चर्चा पर हावी हो जाएं और नीतिगत चर्चा को भी प्रभावित करें।

# मारुति सुजुकी ने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो के चुनिंदा मॉडल की कीमत घटाई

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने अपने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो मॉडल के चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में तत्काल प्रभाव से कटौती की है। नई दरें सोमवार से लागू हो गई है। मारुति सुजुकी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो के कुछ वेरिएंट की कीमतों में कटौती की है। कंपनी ने कहा कि 2 सितंबर से एस-प्रेसो एलएक्सआई पेट्रोल की कीमत 2,000 रुपये और ऑल्टो के10 वीएक्सआई पेट्रोल की कीमत 6,500 रुपये घटाई गई है। इससे एक दिन पहले एक सितंबर को कंपनी ने शेयर बाजार को बताया था कि अगस्त 2024 की बिक्री में लगभग 3.9 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। कंपनी ने अगस्त, 2023 में 189,082 इकाइयों की तुलना में अगस्त, 2024 में 181,782 इकाइयां बेची है। इस तरह कुल मिलाकर मारुति सुजुकी की अगस्त की बिक्री में घरेलू स्तर पर बेची गई 145,570 इकाइयां और निर्यात की गई 26,003 इकाइयां शामिल है।

# सरकार लाएगी रिपेयर इंडेक्स, दिसंबर तक होगा लांच

**नई दिल्ली।** जल्द ही आपको टीवी या मोबाइल खरीदते वक्त पता चल जाएगा कि आप जो इलेक्ट्रॉनिक आइटम खरीद रहे हैं वह खराब होने पर आसानी से दोबारा रिपेयर हो जाएगी या आपको उसे ठीक कराने में काफी पापड़ बेलने पड़ेंगे। इसके लिए सरकार रिपेयर इंडेक्स लाएगी। यह इंडेक्स इस साल दिसंबर तक लॉन्च हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के रिपेयर सूचकांक से बढ़ती ई-कचरे की समस्या का समाधान होगा और निर्माताओं को अधिक आसानी से मरम्मत योग्य उत्पाद बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय इसे बनाएगा। उपभोक्ताओं को यह जानकारी देने के लिए प्रमुख मापदंडों पर स्कोर प्रदान करेगा कि किसी उत्पाद की मरम्मत कितनी आसानी से की जा सकती है। एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए, उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने मंत्रालय के रिपेयर इंडेक्स बनाने की योजना की जानकारी दी। प्रस्तावित सूचकांक अन्य देशों के रिपेयर इंडेक्सेस के अध्ययन के बाद बनाया जा रहा है। फ्रांस का रिपेयर इंडेक्स पांच मानको पर आधारित होता है। यह तकनीकी दस्तावेजों की उपलब्धता, डिसएसेंबली में आसानी, स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता और कीमत जैसे मानदंडों पर उत्पादों को रेटिंग देता है। भारतीय रिपेयर इंडेक्स भी किसी भी उत्पाद को पांच में से कोई एक रेटिंग देगा। गौरतलब

है कि सरकार ने पहले ही एक राइट टू रिपेयर पोर्टल लॉन्च कर दिया है, जिसमें 63 कंपनियां शामिल हैं। भारत, चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक कचरा उत्पादक है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक अजय चौधरी ने कार्यशाला में कहा कि आज, अधिकांश उत्पाद मरम्मत योग्य नहीं हैं। हमें ऐसे उत्पाद डिजाइन करने की आवश्यकता है जिन्हें मरम्मत किया जा सके। जब तक हम कानून नहीं बनाते, चीजें नहीं बदलेंगी। इसलिए इस दिशा में कानून बनाने की जरूरत है। मालूम हो कि आजकल बाजार में बिक रहे टीवी-मोबाइल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के साथ सबसे बड़ी दिक्कत इनकी रिपेयरिंग है। खराब होने पर इनकी मरम्मत आसानी से नहीं होती। कुछ के ओरिजिनल पार्ट्स नहीं मिलते और मजबूरी में घटिया कलपुर्जे डलवाकर काम चलाना पड़ता है।

## कश्मीर में शुरू अल्फा की शूटिंग

# सामने आई आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की पहली तस्वीर

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ ने यशराज स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी है. फिल्म अल्फा की शूटिंग का दूसरा शेड्यूल कश्मीर की ठंडी वादियों में हो रहा है. फिल्म अल्फा का कश्मीर में 10 दिनों का शूटिंग शेड्यूल है. यहां, हाल ही में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ पहुंची थी. अब कश्मीर की वादियों के बीच फिल्म अल्फा की शूटिंग के दौरान इन दोनों हसीनाओं की एक तस्वीर सामने आई है. इसमें दोनों ही एक्ट्रेस के बीच का प्यार देखने को मिल रहा है. शरवरी वाघ ने कश्मीर की वादी से यह तस्वीर शेयर की है. इस तस्वीर में आलिया और शरवरी एक-दूजे के ऊपर हाथ डाले हाथ से हार्ट शेप बनाकर खड़े हुए हैं और सामने खूबसूरत झरने का नजारा दिख रहा है. शरवरी काली जैकेट में तो वहीं, आलिया को ग्रे जैकेट में देखा जा रहा है. इस तस्वीर को शेयर कर आलिया और शरवरी ने लिखा है, प्यार..अल्फा. आलिया

और शरवरी की तस्वीर पर कई फैंस और सेलेब्स जमकर प्यार लुटा रहे हैं. विक्की कौशल ने भी इस तस्वीर को लाइक किया है. इस तस्वीर पर 13 लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं. वहीं, ऑस्कर विनिंग फिल्म की प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने भी इस तस्वीर पर फायर इमोजी छोड़े हैं. आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने इस तस्वीर पर हैंड्स क्लेप, फायर और हार्ट इमोजी शेयर किया है. बता दें, यशराज बैनर तले बन रही फिल्म अल्फा को शिव रवैल डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म में ऋतिक रोशन का भी रोल बताया जा रहा है, लेकिन मेकर्स ने स्टार कास्ट में अभी आलिया भट्ट

और शरवरी वाघ पर ही मुहर लगाई है. फिल्म अगले साल रिलीज होने जा रही है. यह पहली बार जब यशराज बैनर फीमेल लीड एक्शन फिल्म बनाने जा रहा है.

# स्त्री 2 ने 16वें दिन बनाया ये नया रिकॉर्ड, एनिमल और गदर 2 को दी मात

अमर कौशिक के निर्देशन में बनी स्त्री 2 का बॉक्स ऑफिस पर जलवा बरकरार है। 15 अगस्त को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और तभी से यह टिकट खिड़की पर अपना कमाल दिखा रही है।फिल्म हर गुजरते दिन के साथ एक नया रिकॉर्ड बना रही और तोड़ रही है। यह फिल्म राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के करियर की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हुई है।आइए फिल्म का कुल कारोबार जानें। बॉक्?स ऑफिस पर स्त्री 2 का दमदार दौर जारी है। ऑल टाइम ब्?लॉकबस्?टर बन चुकी श्रद्धा और राजकुमार की इस फिल्?म ने अपने तीसरे शुक्रवार को भी धमाका किया है। इसने रणबीर कपूर की एनिमल और सनी देओल की गदर 2 को भी धूल चटा दी है।इन दोनों ही फिल्?मों ने अपने तीसरे शुक्रवार को 7.75 करोड़ रुपये और 7.10 करोड़ की कमाई की थी। उधर स्त्री 2 ने तीसरे शुक्रवार को 8.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। स्?त्री 2 16 दिनों में 441.30 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है, वहीं दुनियाभर में भी यह जोरदार कमाई कर रही है।स्?त्री 2 ने दुनियाभर में 630.15 करोड़ रुपये का कलेक्?शन कर लिया है। विदेशों में इसने 16 दिनों में 103 करोड़ रुपये की कमाई की है।अपने तीसरे हफ्ते में यह फिल्?म अब बड़ी आसानी से दुनियाभर में 700 करोड़ रुपये के क्?लब में एंट्री ले लेगी। बात करें फिल्म की कहानी की तो इस बार चंदेरी का सामना स्त्री नहीं, बल्कि सरकटे से हुआ है। श्रद्धा, स्त्री की बेटी हैं, जो पहली फिल्म में पहेली बनी हुई थीं।राजकुमार ने जैसे चंदेरी को स्त्री से बचाया, वैसे सरकटे का भी खात्मा किया। फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना जैसे कलाकारों ने भी अपनी अदाकारी से किरदार में जान फूंक दी। फिल्म की कहानी दर्शकों को बेहद पसंद आई है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री हिट साबित हुई थी, वहीं 6 साल बाद आया स्त्री का सीक्वल स्त्री 2 ब्लॉकबस्टर साबित हुआ है। स्त्री 2 का बजट 60 करोड़ रुपये है।फिल्म ने अपने बजट से कई गुना ज्यादा कमाई कर ली है। स्त्री 2 की सफलता के बाद अब स्त्री 3 पर काम शुरू हो गया है।स्त्री 2 को आईएमडीबी पर 7.8 रेटिंग मिली है। बता दें कि स्त्री को आईएमडीबी पर 7.5 रेटिंग दी गई थी।

# सलमान खान और उनके भांजे का गाना यू आर माइन जारी, अभिनेता ने लगाए सुर

बॉलीवुड के दबगं सलमान खान का नया गाना यू आर माइन गाना रिलीज हो चुका है. जिसमें वो उनके भांजे और सिंगर अयानअग्निहोत्री के साथ नजर साथ नजर आ रहे हैं. इस गाने में खास बात ये है कि इसे सलमान खान और उनके भतीजे अयान अग्निहोत्री ने ही गाया है. यू आर माइन का संगीत विशाल मिश्रा ने तैयार किया है. जो सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगा है. इस गाने के बारे में बात करते हुए सलमान खान ने ही कहा था कि इस गाने के लिए मेरे साथ अयान भी

काफी एक्साइटिड है. वहीं अयान ने कहा था कि, सलमान मामा एक लीजेंड हैं. जिनसे मैंने काफी सीखा है. यू आर माइन में एक अविश्वसनीय अनुभव रहा था. मुझे उम्मीद है कि हम हमारे फैंस को ये काफी पसंद आएगा और हमेशा यादगार रहेगा. इस गाने में सलमान खान बहुत चार्मिंग लुक में नजर आ रहे हैं. उन्होंने व्हाइट शर्ट और मैचिंग पेंट पहनी हुई है. वहीं सोशल मीडिया पर एक्टर के लुक को काफी पसंद किया जा रहा है. एक यूजर ने एक्टर के गाने पर कमेंट करते हुए लिखा कि वाह वाह बहुत बढिय़ा गाना. वहीं दूसरे ने लिखा, बहुत चार्मिंग लग रहे हैं. तीसरे ने लिखा खूबसूरत गाना. सलमान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर को आखिरी बार फिल्म 'टाइगर 3 में देखा गया था. फिल्म में कैटरीना कैफ के साथ एक्टर की जोड़ी फैंस को देखने को मिली थी. वहीं इमरान हाशमी पहली बार फिल्म में नेगेटिव किरदार में नजर आए थे. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा कलेक्शन किया था. वहीं अब जल्द ही एक्टर 'सिकंदर में नजर आने वाले हैं.

# मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है : कृतिका कामरा

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा कि यह कभी न खत्?म होने वाली बहस है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसकी बहस में पडऩा सही नहीं है, क्?योंकि आखिरी में दर्शक ही होते हैं जो एक कलाकार की किस्?मत का फैसला करते हैं। अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा, मैंने हमेशा अपने काम पर विश्वास किया है। मैं किसी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची। मुझे जो भी अवसर मिले हैं, वे वर्षों की कड़ी मेहनत और मेरी दृढ़ता का परिणाम हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है ,क्योंकि अंत में दर्शक ही होते हैं जो आपकी किस्मत का फैसला करते हैं। मैं उन सभी भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं, और यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस उद्योग में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में भी सफल हो सकते हैं। अभिनेत्री को हाल ही में थ्रिलर सीरीज ग्यारह ग्यारह में देखा गया था। यह सीरीज कोरियाई शो सिग्नल का रूपांतरण है। इस शो में राघव जुयाल, धैर्य करवा और आकाश दीक्षित भी हैं। वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता नागराज मंजुले की मटका किंग में दिखाई देंगी। मटका किंग मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दिखाता है। सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं। कृतिका ने कितनी मोहब्बत है शो में आरोही शर्मा की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्हें कुछ तो लोग कहेंगे, रिपोर्टर्स और प्रेम या पहेली - चंद्रकांता जैसे शो में देखा गया। अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 7 में भी भाग लिया है और तांडव और बंबई मेरी जान जैसी सीरीज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। 35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई मित्रों से अपने फि?ल्मी करियर की शुरुआत की। वो प्रतीक गांधी के साथ फॉर योर आईज ओनली में भी नजर आएंगी।

# बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में की हालत खराब

अक्षय कुमार की लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'खेल खेल में बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करते हुए दो हफ्ते हो चुके हैं. दरअसल श्रद्धा कपूर स्टारर 'स्त्री 2 में इस फिल्म को ऐसी पटखनी दी है कि ये चारों खाने चित्त हो चुकी है. इस फिल्म को दर्शकों ने पूरी तरह नकार दिया और इसी के साथ इसकी कमाई की गाड़ी भी पटरी से उतर गई. चलिए यहां जानते हैं 'खेल खेल में ने रिलीज के 16वें दिन कितना कलेक्शन किया है? ना केवल मेकर्स बल्कि अक्षय कुमार को भी बड़ी उम्मीद थी कि उनकी फिल्म 'खेल खेल में बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा देगी. लेकिन हुआ इसका उल्टा, फिल्म पहले दिन ही डबल डिजीट में कमाई नहीं कर पाई थी और इसके बाद तो फिल्म के कलेक्शन में हर दिन गिरावट ही देखी गई. दरअसल श्रद्धा कपूर स्टारर 'स्त्री 2 ने इसका पूरा खेल बिगाड़ कर रख दिया. दोनों ही फिल्मों की रिलीज को दो हफ्ते पूरे हो चुके है. जहां 'स्त्री 2 400 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है. वहीं 'खेल खेल में बमुश्किल 25 करोड़ के पार हो पाई है. ये फिल्म पूरी तरह बॉक्स ऑफिस पर लुट पिट चुकी है और अब तो अब ये अपने आखिरी दिन गिन रही है. वहीं कमाई की बात करें तो 'खेल खेल में ने पहले हफ्ते में 19.35 करोड़ रुपये कमाए थे. जबकि दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 6.7 करोड़ रहा. अब 'खेल खेल में रिलीज के तीसरे हफ्ते में है और इसके तीसरे फ्राइडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक

'खेल खेल में ने रिलीज के तीसरे शुक्रवार यानी 16वें दिन 42 लाख की कमाई की है. इसी के साथ 'खेल खेल में का 16 दिनों का कुल कलेक्शन अब 26.47 करोड़ रुपये हो गया है. 'खेल खेल में बॉक्स ऑफिस पर रेंग-रेंग कर आगे बढ़ रही है. वैसे ये फिल्म फ्लॉप हो चुकी है. बता दें कि 100 करोड़ की लागत से बनी ये फिल्म रिलीज के दो हफ्ते पूरे हो जाने के बाद भी आधी लागत वसूल नहीं पाई. इसके लिए तो 30 करोड़ का आंकड़ा छूना भी मुश्किल लग रहा है. दरअसल 'खेल खेल में चंद लाख भी मुश्किल से कमा पा रही है.ऐसे में अब देखन वाली बात होगी कि तीसरे हफ्ते ये फिल्म कितने दिन और टिक पाती है. बता दें कि 'खेल खेल में इटैलियन फिल्म परफेक्ट स्ट्रेंजर्स पर बेस्ड है. फिल्म का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है और इसमें अक्षय कुमार के अलावा फरदीन खान, एमी विर्क, वाणी कपूर, प्रज्ञा जायसवाल, तापसी पन्नू और आदित्य सील ने अहम रोल प्ले किया है.

# द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के प्रीक्वल का हिस्सा होंगे ऋतिक रोशन ?

## शोरनर पायने के बयान ने बढ़ाई हलचल

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 2 को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच जिस बात ने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया वह है बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के इसमें शामिल होने की संभावना। जी हां, हाल ही में शोरनर जे. डी. पायने ने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के भविष्य के सीजन में कलाकारों की सूची में शामिल होने की संभावना का संकेत दिया। जे.डी के बयान ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। पायने ने अभिनेता मेगन रिचर्ड्स और मार्केला कावेनघ के साथ सीरीज में ऋतिक रोशन की संभावित भागीदारी पर चर्चा की। पायने ने

बताया, पिछली बार जब मैं मुंबई में था, तो हमारी मुलाकात ऋतिक रोशन से हुई थी। वह अद्भुत थे। अगर सही भूमिका मिलती है तो दरवाजे खुले रहेंगे, अवसर मौजूद हैं। इस बयान ने उन प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है जो ग्रीक गॉड को फैंटेसी सीरीज में देखने के लिए उत्सुक हैं। जब द रिंग्स ऑफ पावर के आने वाले सीजन में अन्य भारतीय अभिनेताओं को शामिल करने के बारे में सवाल किया गया, तो पायने ने खुलासा किया कि शो में मेरिमैक की भूमिका निभाने वाले गैवी सिंह चेरा कलाकारों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हमने वास्तव में सीजन 2 में भारतीय अभिनेताओं को कास्ट किया...गैवी सिंह चेरा, वह बिल्कुल अद्भुत है। वह कुछ एपिसोड में हैं। यह बहुत अच्छा होगा।

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 2 का प्रीमियर 29 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर हुआ। आठ-एपिसोड की सीरीज हर गुरुवार को अलग-अलग भागों में जारी की जाएगी। इसके पहले तीन एपिसोड गुरुवार को स्ट्रीम होंगे, इसके बाद 5, 12, 19 और 26 सितंबर को अगले एपिसोड होंगे और सीजन का समापन 3 अक्तूबर को होगा। यह सीरीज जे. आर. आर. टॉल्किन के मिडल-अर्थ के इतिहास और लोकप्रिय उपन्यास द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स से प्रेरित है।

# मोनालिसा ने सुर्ख लाल साड़ी पहन दिखाया कातिलाना अंदाज

## फोटोज इंटरनेट पर शेयर होते ही हो गई वायरल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। हालांकि लेटेस्ट फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत साड़ी पहनी हुई थी। एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड और ब्यूटिफुल अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना निगाहों से पोज देती हुई फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। ओपन हेयर, माथे पर बिंदी, कानों में झुमकें और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। मोनालिसा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।